

PART A – PHYSICS

ALL THE GRAPHS/DIAGRAMS GIVEN ARE SCHEMATIC AND NOT DRAWN TO SCALE.

1. The relative error in the determination of the surface area of a sphere is α . Then the relative error in the determination of its volume is :

- (1) $\frac{3}{2} \alpha$
- (2) $\frac{2}{3} \alpha$
- (3) $\frac{5}{2} \alpha$
- (4) α

JEE MAIN - 20% Paper - 1

भाग A – भौतिक विज्ञान

दिए गये सभी ग्राफ/रेखांकितियाँ आरेखीय हैं
और स्केल के अनुसार रेखांकित नहीं हैं।

1. एक वृत्तीय गोले के पृष्ठ क्षेत्रफल के मापन में सापेक्ष त्रुटि α पायी गयी। उसी गोले के आयतन के मापन में सापेक्ष त्रुटि होगी :

- (1) $\frac{3}{2} \alpha$
- (2) $\frac{2}{3} \alpha$
- (3) $\frac{5}{2} \alpha$
- (4) α

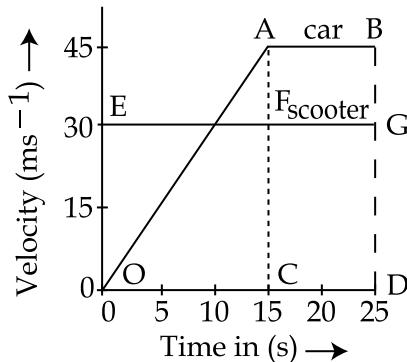
भाग A – भौतिक विज्ञान

તમाम आलेख/चित्रों स्कीमेटिक हे अने स्केल प्रभाषे दोरायेला नथी।

1. एक गोलानी सपाईनुं क्षेत्रफल शोधवामां सापेक्ष त्रुटि छे α . तो तेनु कद शोधवामां सापेक्ष त्रुटि छे _____.

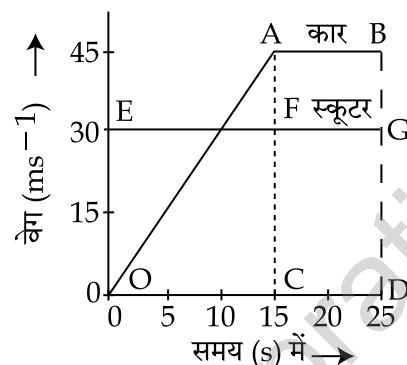
- (1) $\frac{3}{2} \alpha$
- (2) $\frac{2}{3} \alpha$
- (3) $\frac{5}{2} \alpha$
- (4) α

2. The velocity-time graphs of a car and a scooter are shown in the figure. (i) The difference between the distance travelled by the car and the scooter in 15 s and (ii) the time at which the car will catch up with the scooter are, respectively.



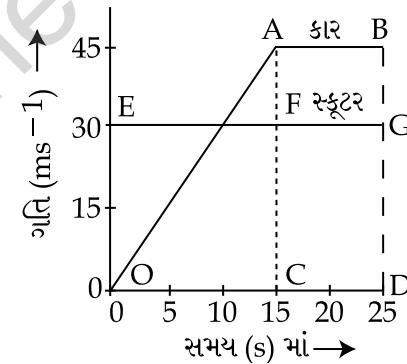
- (1) 112.5 m and 22.5 s
- (2) 337.5 m and 25 s
- (3) 112.5 m and 15 s
- (4) 225.5 m and 10 s

2. एक कार तथा एक स्कूटर के वेग-समय ग्राफ को दिये गये चित्र में दर्शाया गया है। (i) 15 सेकेण्ड में कार एवं स्कूटर द्वारा चली गयी दूरी का अंतर एवं (ii) वह समय जब कार स्कूटर के बराबर आ जायेगी, क्रमशः होंगे :



- (1) 112.5 मी. एवं 22.5 से.
- (2) 337.5 मी. एवं 25 से.
- (3) 112.5 मी. एवं 15 से.
- (4) 225.5 मी. एवं 10 से.

2. આકૃતિમાં કાર અને સ્કૂટરનો ગતિ-સમય આલેખ બતાવેલ છે. (i) 15 s માં કાર અને સ્કૂટર એ કાપેલા અંતરનો તફાવત અને (ii) સ્કૂટરને ભોગે થવા માટે કારને લાગતો સમય ક્રમશઃ છે :



- (1) 112.5 m અને 22.5 s
- (2) 337.5 m અને 25 s
- (3) 112.5 m અને 15 s
- (4) 225.5 m અને 10 s

3. A given object takes n times more time to slide down a 45° rough inclined plane as it takes to slide down a perfectly smooth 45° incline. The coefficient of kinetic friction between the object and the incline is :

(1) $\frac{1}{2-n^2}$

(2) $1-\frac{1}{n^2}$

(3) $\sqrt{1-\frac{1}{n^2}}$

(4) $\sqrt{\frac{1}{1-n^2}}$

4. An automobile, travelling at 40 km/h, can be stopped at a distance of 40 m by applying brakes. If the same automobile is travelling at 80 km/h, the minimum stopping distance, in metres, is (assume no skidding) :

- (1) 75 m
 (2) 100 m
 (3) 150 m
 (4) 160 m

3. कोई वस्तु एक 45° कोण पर झुके हुए खुरदुरे सतह पर फिसलने में, 45° पर झुकी पूर्णतया चिकने सतह पर फिसलने का n गुना ज्यादा समय लेती है। वस्तु तथा खुरदुरे सतह के बीच का गतिज घर्षण का गुणांक होगा :

(1) $\frac{1}{2-n^2}$

(2) $1-\frac{1}{n^2}$

(3) $\sqrt{1-\frac{1}{n^2}}$

(4) $\sqrt{\frac{1}{1-n^2}}$

4. 40 km/h की गति से चलते हुए एक वाहन को ब्रेक लगाकर 40 m की दूरी पर रोका जा सकता है। यदि वही वाहन 80 km/h की गति से चल रहा हो तो ब्रेक लगाने के बाद वह कितनी न्यूनतम दूरी पर रुकेगा ?

(मानो वाहन नहीं फिसलेगा)

- (1) 75 m
 (2) 100 m
 (3) 150 m
 (4) 160 m

3. આપેલ પદાર્થ 45° ફળતા એક સંપૂર્ણ લીસા સમતલ પર સરકતા લાગતા સમય કરતાં 45° ફળતા એક ખરબચડા પાટિયા પર સરકવામાં n ગણો વધુ સમય લે છે. આ પદાર્થ અને ફળતા પાટિયા વર્ચ્યેનો ગતિકીય ધર્ષણાંક છે :

(1) $\frac{1}{2-n^2}$

(2) $1-\frac{1}{n^2}$

(3) $\sqrt{1-\frac{1}{n^2}}$

(4) $\sqrt{\frac{1}{1-n^2}}$

4. 40 km/h થી ગતિ કરતાં એક વાહનને બેક લગાડતાં તેને 40 m અંતરે ઉભી રાખી શકાય છે. જો આજ વાહન 80 km/h થી ગતિ કરે તો તેને ઉભા રહેવાનું લધુતમ અંતર (મીટરમાં) છે _____ (લપસવાને અવગાળો).

- (1) 75 m
 (2) 100 m
 (3) 150 m
 (4) 160 m

5. A particle is oscillating on the X-axis with an amplitude 2 cm about the point $x_0=10$ cm, with a frequency ω . A concave mirror of focal length 5 cm is placed at the origin (see figure).



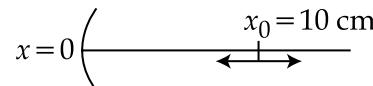
Identify the **correct** statements.

- (A) The image executes periodic motion.
- (B) The image executes non-periodic motion.
- (C) The turning points of the image are asymmetric w.r.t. the image of the point at $x=10$ cm.
- (D) The distance between the turning points of the oscillation of the image

$$\text{is } \frac{100}{21} \text{ cm.}$$

- (1) (A), (D)
- (2) (A), (C), (D)
- (3) (B), (D)
- (4) (B), (C)

5. एक कण X-अक्ष पर $x_0=10$ cm बिंदु के सापेक्ष 2 cm आयाम एवं ω आवृत्ति के साथ दोलन कर रहा है। 5 cm फोकल दूरी वाले एक अवतल दर्पण को मूलबिंदु पर रखा जाता है (चित्र देखें)।

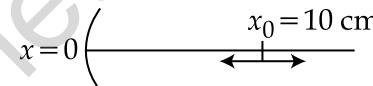


निम्न में से सही कथन होंगे :

- (A) प्रतिबिम्ब आवर्त गति करता है।
- (B) प्रतिबिम्ब अनावर्त गति करता है।
- (C) प्रतिबिम्ब के प्रतिवर्तन बिंदु (turning points), $x=10$ cm के बिंदु के प्रतिबिम्ब के सापेक्ष असमित हैं।
- (D) प्रतिबिम्ब के दोलन के प्रतिवर्तन बिंदुओं के बीच की दूरी $\frac{100}{21}$ cm है।

- (1) (A), (D)
- (2) (A), (C), (D)
- (3) (B), (D)
- (4) (B), (C)

5. $x_0=10$ cm नी सापेक्ष एक कण 2 cm कंपविस्तार अने आवृत्ति ω साथे X-अक्ष पर दोलन करे छे. 5 cm फेन्ड्रलंबाई धरावतो एक अंतर्गोण अरिसो उद्गम बिंदु पर राखेल छे. (आइटि जुओ)

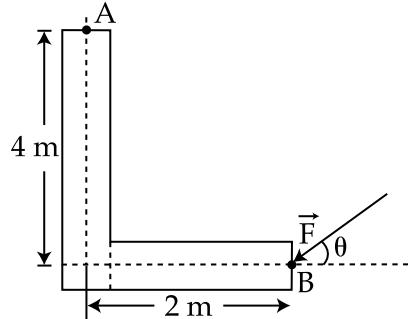


सायुं विधान नक्की करे.

- (A) आ प्रतिबिंब आवर्तगति करे छे.
- (B) आ प्रतिबिंब अआवर्तगति करे छे.
- (C) आ प्रतिबिंभनुं टर्निंग-पोईन्ट ए $x=10$ cm परना x प्रतिबिंभनी सापेक्ष असिंमित छे.
- (D) आ प्रतिबिंभना दोलनना टर्निंग-पोईन्ट्स वच्चेनुं अंतर $\frac{100}{21}$ cm छे.

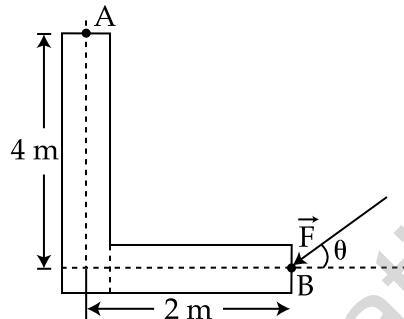
- (1) (A), (D)
- (2) (A), (C), (D)
- (3) (B), (D)
- (4) (B), (C)

6. A force of 40 N acts on a point B at the end of an L-shaped object, as shown in the figure. The angle θ that will produce maximum moment of the force about point A is given by :



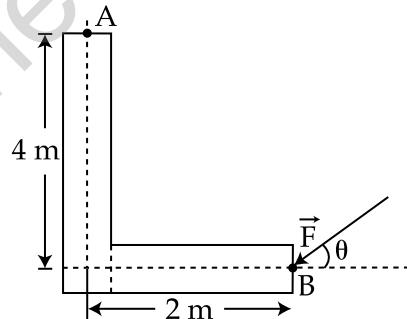
- (1) $\tan\theta = \frac{1}{2}$
- (2) $\tan\theta = 2$
- (3) $\tan\theta = 4$
- (4) $\tan\theta = \frac{1}{4}$

6. L-आकार के एक वस्तु के अंत बिंदु B पर एक 40 N का बल लगाया जाता है, जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है। बिंदु A के सापेक्ष अधिकतम बल आघूर्ण पैदा करने के लिए, कोण θ का मान होगा :



- (1) $\tan\theta = \frac{1}{2}$
- (2) $\tan\theta = 2$
- (3) $\tan\theta = 4$
- (4) $\tan\theta = \frac{1}{4}$

6. આંકૃતિમાં બતાવ્યા પ્રમાણે L-આકારના પદાર્થ પર B બિંદુએ 40 N નું બળ લાગે છે. કોણ θ કે લે બિંદુ A ની સાપેક્ષે આ બળનું મહત્તમ વેગમાન ઉત્પન્ન કરે છે તેને આપવામાં આવે છે :



- (1) $\tan\theta = \frac{1}{2}$
- (2) $\tan\theta = 2$
- (3) $\tan\theta = 4$
- (4) $\tan\theta = \frac{1}{4}$

7. A body of mass m is moving in a circular orbit of radius R about a planet of mass M . At some instant, it splits into two equal masses. The first mass moves in a circular orbit of radius $\frac{R}{2}$, and the other mass, in a circular orbit of radius $\frac{3R}{2}$. The difference between the final and initial total energies is :

- (1) $-\frac{GMm}{2R}$
- (2) $+\frac{GMm}{6R}$
- (3) $\frac{GMm}{2R}$
- (4) $-\frac{GMm}{6R}$

7. द्रव्यमान m का एक पिण्ड द्रव्यमान M के एक ग्रह के परितः R त्रिज्या के वृत्ताकार कक्षा में घूम रहा है। किसी क्षण पिण्ड दो बराबर हिस्सों में टूट जाता है। पहला हिस्सा $\frac{R}{2}$ की वृत्ताकार कक्षा में घूमता है तथा दूसरा हिस्सा $\frac{3R}{2}$ की कक्षा में घूमता है। प्रारम्भिक एवं अन्तिम कुल ऊर्जा में अन्तर का मान होगा :
- (1) $-\frac{GMm}{2R}$
 - (2) $+\frac{GMm}{6R}$
 - (3) $\frac{GMm}{2R}$
 - (4) $-\frac{GMm}{6R}$

7. M द्रव्यमानना एक ग्रह फैरते m द्रव्यमाननो एक पदार्थ R -त्रिज्यानी कक्षामां वर्तुणाकार गति करे छे. कोई एक क्षणे ते बे सरभा द्रव्यमानमां वहेंचाय छे. प्रथम द्रव्यमान $\frac{R}{2}$ त्रिज्यानी वर्तुणाकार कक्षामां गति करे छे, अने बीजे द्रव्यमान $\frac{3R}{2}$ त्रिज्यानी वर्तुणाकार कक्षामां गति करे छे. कुल अंतिम उर्जा अने प्रारंभिक उर्जानो तकावत :
- (1) $-\frac{GMm}{2R}$
 - (2) $+\frac{GMm}{6R}$
 - (3) $\frac{GMm}{2R}$
 - (4) $-\frac{GMm}{6R}$

8. Take the mean distance of the moon and the sun from the earth to be 0.4×10^6 km and 150×10^6 km respectively. Their masses are 8×10^{22} kg and 2×10^{30} kg respectively. The radius of the earth is 6400 km. Let ΔF_1 be the difference in the forces exerted by the moon at the nearest and farthest points on the earth and ΔF_2 be the difference in the force exerted by the sun at the nearest and farthest points on the earth. Then, the number closest to

$$\frac{\Delta F_1}{\Delta F_2} \text{ is :}$$

- (1) 2
- (2) 10^{-2}
- (3) 0.6
- (4) 6

8. माना कि चंद्रमा एवं सूर्य की पृथ्वी से औसत दूरी 0.4×10^6 km तथा 150×10^6 km क्रमशः है। उनके द्रव्यमान क्रमशः 8×10^{22} kg एवं 2×10^{30} kg हैं। पृथ्वी की त्रिज्या 6400 km है। चंद्रमा द्वारा पृथ्वी के सबसे पास एवं सबसे दूर के बिंदुओं पर लगने वाले बलों का अंतर मानो ΔF_1 है तथा सूर्य द्वारा पृथ्वी के सबसे पास एवं सबसे दूर के बिंदुओं पर लगने वाले बलों का अंतर मानो ΔF_2 है। तब $\frac{\Delta F_1}{\Delta F_2}$ का निकटतम

मान होगा :

- (1) 2
- (2) 10^{-2}
- (3) 0.6
- (4) 6

8. પૃથ્વીથી અંદ્રનું અને સૂર્યનું સરેરાશ અંતર કમશા: 0.4×10^6 km અને 150×10^6 km છે. તેમના દ્રવ્યમાનો કમશા: 8×10^{22} kg અને 2×10^{30} kg છે. પૃથ્વીની ત્રિજ્યા 6400 km છે. પૃથ્વીના સૌથી નજીકના અને દૂરના બિંદુઓ પર ચંદ્રથી લાગતાં બળોનો તકાવત ΔF_1 અને પૃથ્વીના સૌથી નજીકના અને દૂરના બિંદુઓ પર સૂર્યથી લાગતાં બળોનો તકાવત ΔF_2 લો. આમ, $\frac{\Delta F_1}{\Delta F_2}$ ની નજીકની સંખ્યા છે :

- (1) 2
- (2) 10^{-2}
- (3) 0.6
- (4) 6

9. A thin uniform tube is bent into a circle of radius r in the vertical plane. Equal volumes of two immiscible liquids, whose densities are ρ_1 and ρ_2 ($\rho_1 > \rho_2$), fill half the circle. The angle θ between the radius vector passing through the common interface and the vertical is :

$$(1) \quad \theta = \tan^{-1} \pi \left(\frac{\rho_1}{\rho_2} \right)$$

$$(2) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_2}{\rho_1} \right)$$

$$(3) \quad \theta = \tan^{-1} \left[\frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 - \rho_2}{\rho_1 + \rho_2} \right) \right]$$

$$(4) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 + \rho_2}{\rho_1 - \rho_2} \right)$$

10. A Carnot's engine works as a refrigerator between 250 K and 300 K. It receives 500 cal heat from the reservoir at the lower temperature. The amount of work done in each cycle to operate the refrigerator is :

- (1) 420 J
- (2) 772 J
- (3) 2100 J
- (4) 2520 J

9. ऊर्ध्वाधर समतल में, एक पतली एकसमान नली को r त्रिज्या के वृत्त में मोड़ा जाता है। ρ_1 तथा ρ_2 ($\rho_1 > \rho_2$) घनत्व वाले दो अमिश्रणीय द्रव के समान आयतन इस वृत्त को आधा भरते हैं। द्रवों के उभयनिष्ठ अन्तरपृष्ठ से गुजरने वाले त्रिज्या वेक्टर तथा ऊर्ध्व दिशा के बीच के कोण θ का मान है :

$$(1) \quad \theta = \tan^{-1} \pi \left(\frac{\rho_1}{\rho_2} \right)$$

$$(2) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_2}{\rho_1} \right)$$

$$(3) \quad \theta = \tan^{-1} \left[\frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 - \rho_2}{\rho_1 + \rho_2} \right) \right]$$

$$(4) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 + \rho_2}{\rho_1 - \rho_2} \right)$$

10. एक कार्नो इंजन 250 K तथा 300 K तापमानों के बीच एक रेफ्रिजरेटर की तरह कार्य करता है। वह ठंडे ऊष्मा भंडार से 500 कैलोरी ऊष्मा प्राप्त करता है। रेफ्रिजरेटर को चलाने के लिए प्रत्येक चक्र में किया गया कार्य होगा :

- (1) 420 J
- (2) 772 J
- (3) 2100 J
- (4) 2520 J

9. એક પાતળી સમાન નળીને ઉર્ધ્વ સમતલમાં r -ત્રિજ્યાના વર્તુળમાં વાળવામાં આવે છે. એકબીજામાં મિશ્રીત ન થઈ શકે તેવા સરખા કદના બે પ્રવાહીઓ કે ફેમની ઘનતાઓ ρ_1 અને ρ_2 છે ($\rho_1 > \rho_2$) તે આ વર્તુળને અડધું ભરે છે. આંતર-પૃષ્ઠમાંથી પસાર થતો ત્રિજ્યા સાંદ્રિશા અને શિરોલંબ વર્ચેનો કોણ θ છે :

$$(1) \quad \theta = \tan^{-1} \pi \left(\frac{\rho_1}{\rho_2} \right)$$

$$(2) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_2}{\rho_1} \right)$$

$$(3) \quad \theta = \tan^{-1} \left[\frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 - \rho_2}{\rho_1 + \rho_2} \right) \right]$$

$$(4) \quad \theta = \tan^{-1} \frac{\pi}{2} \left(\frac{\rho_1 + \rho_2}{\rho_1 - \rho_2} \right)$$

10. એક કાર્નો એન્જિન 250 K અને 300 K વચ્ચે એક રેફ્રિજરેટર તરીકે કાર્ય કરે છે. ઓછા (નીચા) તાપમાને તે સંગ્રહક પાસેથી 500 cal ઉજ્મા પ્રાપ્ત કરે છે. આ રેફ્રિજરેટરને કાર્યરત થવા દરેક ચક્ક દરમ્યાન કરવું પડતું કાર્યનો જરૂરો છે :

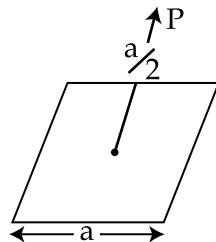
- (1) 420 J
- (2) 772 J
- (3) 2100 J
- (4) 2520 J

11. One mole of an ideal monoatomic gas is compressed isothermally in a rigid vessel to double its pressure at room temperature, 27°C . The work done on the gas will be :
- 300 R
 - $300 \text{ R} \ln 6$
 - $300 \text{ R} \ln 2$
 - $300 \text{ R} \ln 7$
12. A body of mass M and charge q is connected to a spring of spring constant k . It is oscillating along x -direction about its equilibrium position, taken to be at $x=0$, with an amplitude A . An electric field E is applied along the x -direction. Which of the following statements is **correct** ?
- The new equilibrium position is at a distance $\frac{qE}{2k}$ from $x=0$.
 - The total energy of the system is $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 + \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$.
 - The total energy of the system is $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 - \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$.
 - The new equilibrium position is at a distance $\frac{2qE}{k}$ from $x=0$.

11. 27°C कमरे के तापमान पर किसी एकपरमाणुक आदर्श गैस के एक मोल के दाब को दुगना करने के लिए एक ढूँढ़ पात्र में समतापीय रूप से संपीडित किया जाता है। गैस पर किया गया कार्य होगा :
- 300 R
 - $300 \text{ R} \ln 6$
 - $300 \text{ R} \ln 2$
 - $300 \text{ R} \ln 7$
12. द्रव्यमान M तथा आवेश q का एक पिण्ड एक स्प्रिंग नियंत्रक k की स्प्रिंग से जुड़ा है। यह पिण्ड x -दिशा में अपनी साम्यावस्था $x=0$ के सापेक्ष आयाम A से दोलन कर रहा है। x -दिशा में एक विद्युत क्षेत्र E लगाया जाता है। निम्न कथनों में कौन सा कथन सत्य है?
- नयी साम्यावस्था की स्थिति $x=0$ से $\frac{qE}{2k}$ दूरी पर होगी।
 - इस निकाय की कुल ऊर्जा $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 + \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$ होगी।
 - इस निकाय की कुल ऊर्जा $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 - \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$ होगी।
 - नयी साम्यावस्था की स्थिति $x=0$ से $\frac{2qE}{k}$ दूरी पर होगी।
11. 27°C ओरडानां तापमाने एक-परमाणुवीय, एक भौत आदर्श वायुनुं कृष्ण भूमण्डु करवा एक दृढ़ पात्रमां कोम्प्रेस्ट करवामां आवे छे. आ वायु पर करवुं पटतुं कार्य हशे :
- 300 R
 - $300 \text{ R} \ln 6$
 - $300 \text{ R} \ln 2$
 - $300 \text{ R} \ln 7$
12. M द्रव्यमान अने q विज्ञारित एक पदार्थने k स्प्रिंग अचणांकवाणी एक स्प्रिंग साथे जोडेल छे. जे ते तेनी संतुलित अवस्था के ले $x=0$ लीधेल छे तेने अनुलक्षीने x-दिशामां A कंपविस्तारथी दोलन करे छे. एक विद्युतक्षेत्र E ए x-दिशामां लगाउवामां आवे छे. नीचेनामांथी क्युं विधान साचुं छे ?
- नवी संतुलन स्थितिए $x=0$ थी $\frac{qE}{2k}$ अंतर पर छे.
 - आ तंत्रनी कुल ऊर्जा $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 + \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$ छे.
 - आ तंत्रनी कुल ऊर्जा $\frac{1}{2}m\omega^2A^2 - \frac{1}{2}\frac{q^2E^2}{k}$ छे.
 - नवी संतुलन स्थिति ए $x=0$ थी $\frac{2qE}{k}$ अंतर पर छे.

Set - 09

13. A tuning fork vibrates with frequency 256 Hz and gives one beat per second with the third normal mode of vibration of an open pipe. What is the length of the pipe ? (Speed of sound in air is 340 ms^{-1})
- 220 cm
 - 190 cm
 - 180 cm
 - 200 cm
14. A charge Q is placed at a distance $a/2$ above the centre of the square surface of edge a as shown in the figure



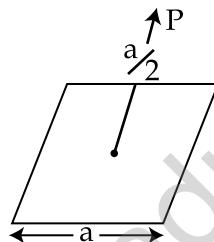
The electric flux through the square surface is :

- $\frac{Q}{\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{2\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{3\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{6\epsilon_0}$

13. एक स्वरित्र द्विभुज 256 Hz की आवृत्ति से दोलन करता है और एक खुले पाइप के कंपन की तृतीय प्रसामान्य विधा के साथ एक विस्पंद प्रति सेकेण्ड देता है। खुले पाइप की लम्बाई क्या होगी ? (ध्वनि की हवा में चाल 340 ms^{-1} है)

- 220 cm
- 190 cm
- 180 cm
- 200 cm

14. एक आवेश Q एक a भुजा वाले वर्गाकार सतह के केन्द्र से $a/2$ ऊँचाई पर रखा हुआ है (चित्र देखें)।



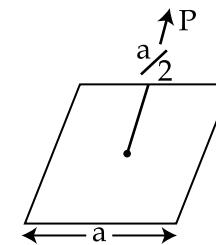
वर्गाकार सतह से जाने वाला विद्युत फ्लक्स होगा :

- $\frac{Q}{\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{2\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{3\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{6\epsilon_0}$

13. 256 Hz आवृत्तिशी कंपन करते एक ध्वनि चिपियो एक खुल्ली नणीना त्रीज नोर्मल मोडस साथे एक स्पंद प्रति सेकंड उत्पन्न करे छे. आ नणीनी लंबाई शु छो ? (हवामां ध्वनिनी झटप 340 ms^{-1} छे)

- 220 cm
- 190 cm
- 180 cm
- 200 cm

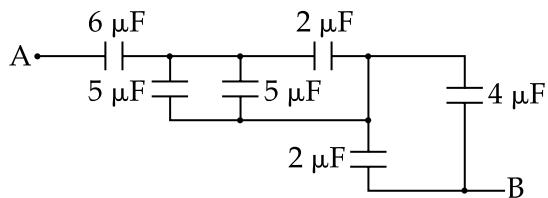
14. आकृतिमां भताव्या प्रभाषे वीजभारित Q ने a बाजुवाणा एक चोरस सपाटीना तेन्द्रथी उपर $a/2$ अंतरे भुक्त छे.



आ चोरस सपाटीमांथी पसार थतो विद्युत फ्लक्स छे :

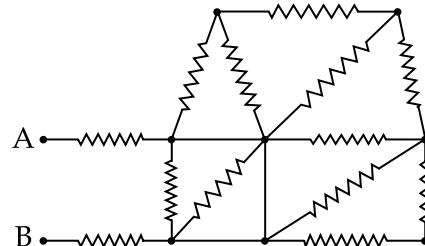
- $\frac{Q}{\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{2\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{3\epsilon_0}$
- $\frac{Q}{6\epsilon_0}$

15. The equivalent capacitance between A and B in the circuit given below, is :



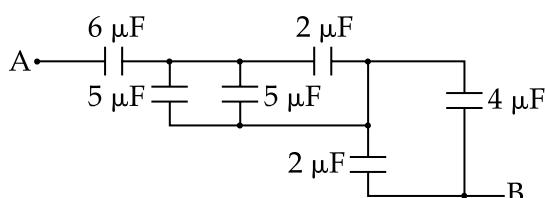
- (1) $2.4 \mu\text{F}$
- (2) $4.9 \mu\text{F}$
- (3) $3.6 \mu\text{F}$
- (4) $5.4 \mu\text{F}$

16. In the given circuit all resistances are of value $R \text{ ohm}$ each. The equivalent resistance between A and B is :



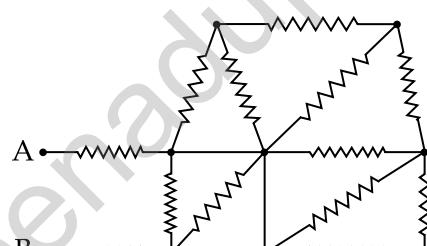
- (1) $2R$
- (2) $3R$
- (3) $\frac{5R}{3}$
- (4) $\frac{5R}{2}$

15. चित्र में दिये गये परिपथ में बिंदु A तथा B के बीच समतुल्य धारिता होगी :



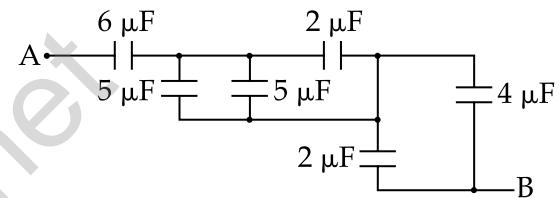
- (1) $2.4 \mu\text{F}$
- (2) $4.9 \mu\text{F}$
- (3) $3.6 \mu\text{F}$
- (4) $5.4 \mu\text{F}$

16. चित्र में दशाये परिपथ में सभी प्रतिरोधों का मान $R \text{ ohm}$ है। बिंदु A एवं B के बीच समतुल्य प्रतिरोध का मान होगा :



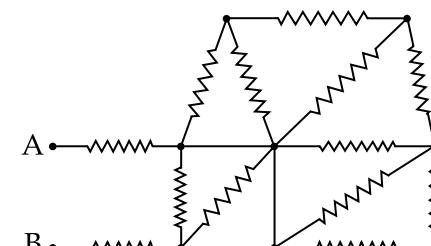
- (1) $2R$
- (2) $3R$
- (3) $\frac{5R}{3}$
- (4) $\frac{5R}{2}$

15. નીચે આપેલ પરિપથમાં A અને B વચ્ચેનો સમતુલ્ય ક્રેસેસ્ટિન્સ છે :



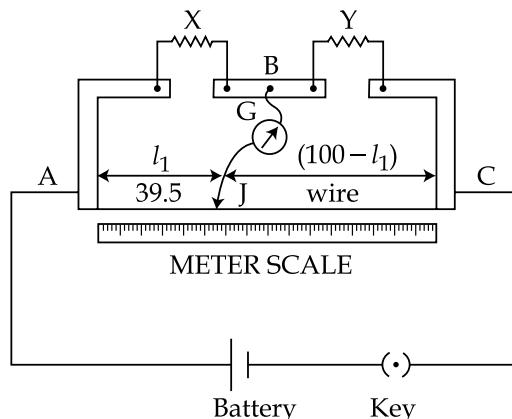
- (1) $2.4 \mu\text{F}$
- (2) $4.9 \mu\text{F}$
- (3) $3.6 \mu\text{F}$
- (4) $5.4 \mu\text{F}$

16. આપેલ પરિપથમાં દરેક અવરોધનું મુલ્ય $R \text{ ohm}$ છે. A અને B વચ્ચેનો સમતુલ્ય અવરોધ છે :



- (1) $2R$
- (2) $3R$
- (3) $\frac{5R}{3}$
- (4) $\frac{5R}{2}$

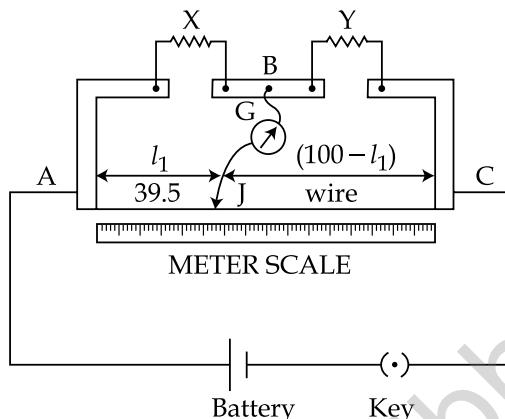
17.



In a meter bridge, as shown in the figure, it is given that resistance $Y=12.5\ \Omega$ and that the balance is obtained at a distance 39.5 cm from end A (by Jockey J). After interchanging the resistances X and Y, a new balance point is found at a distance l_2 from end A. What are the values of X and l_2 ?

- (1) $8.16\ \Omega$ and 60.5 cm
- (2) $19.15\ \Omega$ and 39.5 cm
- (3) $8.16\ \Omega$ and 39.5 cm
- (4) $19.15\ \Omega$ and 60.5 cm

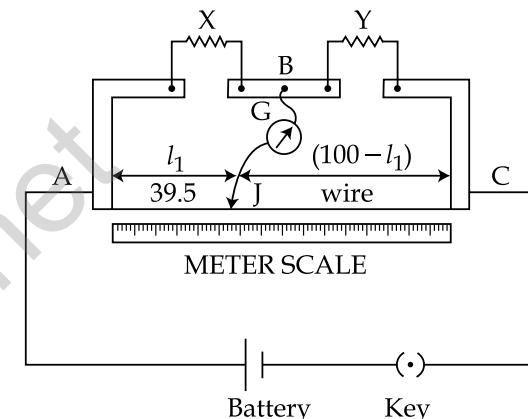
17.



दिखाये गये मीटर सेतु के लिये, ज्ञात है कि प्रतिरोध $Y=12.5\ \Omega$ है तथा संतुलन (जॉकी J द्वारा) A से 39.5 cm दूरी पर प्राप्त होता है। प्रतिरोधों X तथा Y को परस्पर बदलने पर नया संतुलन बिन्दु A से l_2 दूरी पर प्राप्त होता है। X तथा l_2 के मान हैं :

- (1) $8.16\ \Omega$ तथा 60.5 cm
- (2) $19.15\ \Omega$ तथा 39.5 cm
- (3) $8.16\ \Omega$ तथा 39.5 cm
- (4) $19.15\ \Omega$ तथा 60.5 cm

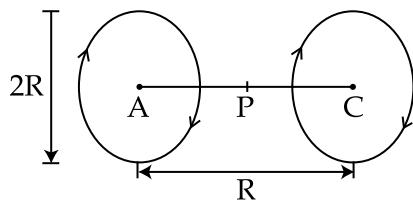
17.



આકૃતિમાં દર્શાવેલ મીટર-બ્રીજમાં એમ આપેલ છે કે અવસ્રોધ $Y=12.5\ \Omega$ અને આ બ્રીજ A છેડાથી 39.5 cm અંતરે સંતુલીત થાય છે (જોકી J વડે). X અને Y ની અદલાભદલી કર્યા બાદ નવું સંતુલીત બિંદુ A છેડાથી l_2 અંતર પર મળે છે. X અને l_2 ના મૂલ્યો શું છે ?

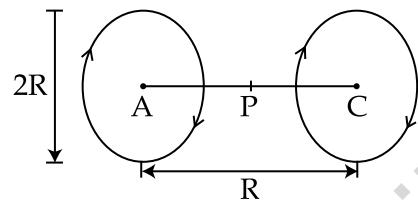
- (1) $8.16\ \Omega$ અને 60.5 cm
- (2) $19.15\ \Omega$ અને 39.5 cm
- (3) $8.16\ \Omega$ અને 39.5 cm
- (4) $19.15\ \Omega$ અને 60.5 cm

18. A Helmholtz coil has a pair of loops, each with N turns and radius R. They are placed coaxially at distance R and the same current I flows through the loops in the same direction. The magnitude of magnetic field at P, midway between the centres A and C, is given by [Refer to figure given below] :



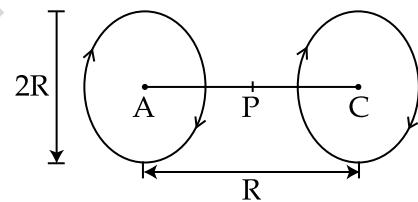
- (1) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (2) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$
- (3) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (4) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$

18. एक हेल्महोल्ज (Helmholtz) कुंडली में N फेरों एवं R त्रिज्या वाले दो पाश हैं। उनको R दूरी पर समाक्षीय रूप में रखा गया है और उनमें समान विद्युत धारा I एक ही दिशा में बहती है। केन्द्रों A एवं C के मध्य बिंदु P पर चुम्बकीय क्षेत्र का परिमाण होगा : (चित्र देखें)



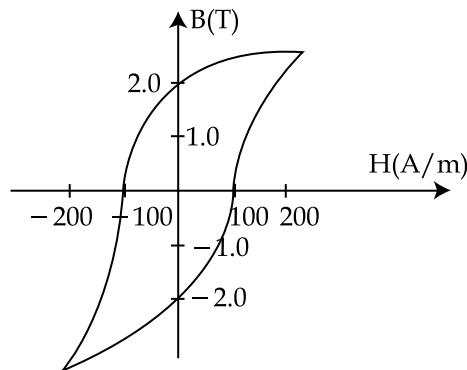
- (1) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (2) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$
- (3) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (4) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$

18. હેલ્મહોલ્જ કોઈલ એ દરેકને N આંટા અને R-ત્રિજ્યા છે તેવા ગાળાની એક જોડ ધરાવે છે. તેમને સમાક્ષ પર R અંતર પર મુક્કેલ છે. અને એકજ દિશામાં પ્રવાહ I આ ગાળામાંથી વહે છે. કેન્દ્રો A અને C થી મધ્યમાં, બિંદુ P પર ચુંબકીય ક્ષેત્રનું માનને આપવામાં આવે છે (નીચે આપેલ ચિત્રને જુઓ) :



- (1) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (2) $\frac{8 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$
- (3) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{1/2} R}$
- (4) $\frac{4 N \mu_0 I}{5^{3/2} R}$

19. The B-H curve for a ferromagnet is shown in the figure. The ferromagnet is placed inside a long solenoid with 1000 turns/cm. The current that should be passed in the solenoid to demagnetise the ferromagnet completely is :

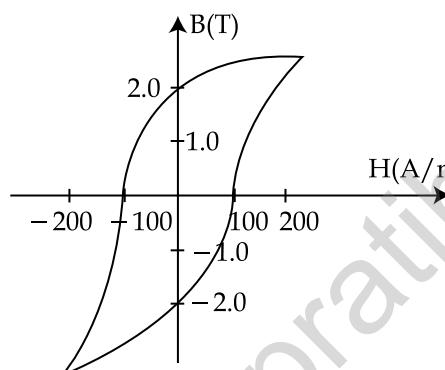


- (1) 1 mA
- (2) 2 mA
- (3) 20 μ A
- (4) 40 μ A

20. An ideal capacitor of capacitance $0.2 \mu\text{F}$ is charged to a potential difference of 10 V. The charging battery is then disconnected. The capacitor is then connected to an ideal inductor of self inductance 0.5 mH . The current at a time when the potential difference across the capacitor is 5 V, is :

- (1) 0.34 A
- (2) 0.25 A
- (3) 0.17 A
- (4) 0.15 A

19. एक लौह चुम्बक के B-H वक्र को चित्र में दर्शाया गया है। उस लौह चुम्बक को एक 1000 फेरे/cm वाली लम्बी परिनालिका के अन्दर रखा गया है। लौह चुम्बक को पूरी तरह से विचुम्बकित करने के लिए परिनालिका में कितनी विद्युत धारा प्रवाहित करनी होगी ?

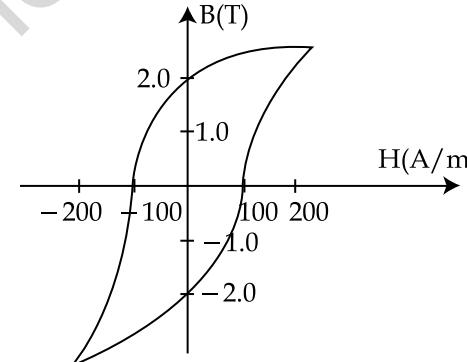


- (1) 1 mA
- (2) 2 mA
- (3) 20 μ A
- (4) 40 μ A

20. एक $0.2 \mu\text{F}$ धारिता के आदर्श संधारित्र को 10 V विभवान्तर से आवेशित करके बैटरी से हटा दिया जाता है। फिर संधारित्र को 0.5 mH स्व-प्रेरकत्व के आदर्श प्रेरक से जोड़ते हैं। जिस समय संधारित्र का विभवान्तर 5 V है उस समय धारा का मान होगा :

- (1) 0.34 A
- (2) 0.25 A
- (3) 0.17 A
- (4) 0.15 A

19. આંકૃતિમાં એક ફેરોમેન્ટનો B-H વક્ર બતાવેલ છે. 1000 આંટાઓ/cm ધરાવતા એક લાંબા સોલેનોઇડની અંદર ફેરોમેન્ટને ભૂકેલ છે. આ ફેરોમેન્ટને સંપૂર્ણતાઃ વિચુંબકીય કરવા આ સોલેનોઇડમાંથી પસાર કરવો પડતો પ્રવાહ છે :



- (1) 1 mA
- (2) 2 mA
- (3) 20 μ A
- (4) 40 μ A

20. $0.2 \mu\text{F}$ કેપેસિટીના એક આદર્શ સંધારકને 10 V ના વિજસ્થિતિમાનના તફાવત પર ચાર્જ કરેલ છે. ત્યારબાદ ચાર્જિંગ બેટરીને દૂર કરેલ છે (disconnected). આ સંધારકને 0.5 mH આત્મ-પ્રેરણના એક આદર્શ ઈન્ડક્ટર સાથે જોડેલ છે. જ્યારે આ કેપેસિટર પરનો વિજસ્થિતિમાનનો તફાવત 5 V વટાવે તે સમયનો પ્રવાહ છે :

- (1) 0.34 A
- (2) 0.25 A
- (3) 0.17 A
- (4) 0.15 A

21. A monochromatic beam of light has a frequency $\nu = \frac{3}{2\pi} \times 10^{12} \text{ Hz}$ and is propagating along the direction $\frac{\hat{i} + \hat{j}}{\sqrt{2}}$.

It is polarized along the \hat{k} direction. The acceptable form for the magnetic field is :

$$(1) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(2) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(3) \quad \frac{E_o}{C} \hat{k} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(4) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} + \hat{j} + \hat{k})}{\sqrt{3}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

21. किसी एकवर्णी प्रकाश पुंज की आवृत्ति $\nu = \frac{3}{2\pi} \times 10^{12} \text{ Hz}$ है और वह $\frac{\hat{i} + \hat{j}}{\sqrt{2}}$ दिशा में गतिमान है। उसकी ध्रुवण की दिशा \hat{k} है। उसके चुम्बकीय क्षेत्र का स्वीकार्य स्वरूप होगा :

$$(1) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(2) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(3) \quad \frac{E_o}{C} \hat{k} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(4) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} + \hat{j} + \hat{k})}{\sqrt{3}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

21. $\nu = \frac{3}{2\pi} \times 10^{12} \text{ Hz}$ आवृत्तिनुं एक एकलंगीय किरण पुंज $\frac{\hat{i} + \hat{j}}{\sqrt{2}}$ दिशाभाँ प्रसरित छे जे \hat{k} दिशाभाँ ध्रुवीभूत छे। आ चुम्बकीय क्षेत्र भाटे स्वीकार्य स्वरूप छे :

$$(1) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(2) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} - \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} - (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(3) \quad \frac{E_o}{C} \hat{k} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

$$(4) \quad \frac{E_o}{C} \frac{(\hat{i} + \hat{j} + \hat{k})}{\sqrt{3}} \cos \left[10^4 \frac{(\hat{i} + \hat{j})}{\sqrt{2}} \cdot \vec{r} + (3 \times 10^{12}) t \right]$$

22. A planoconvex lens becomes an optical system of 28 cm focal length when its plane surface is silvered and illuminated from left to right as shown in Fig-A.

If the same lens is instead silvered on the curved surface and illuminated from other side as in Fig.B, it acts like an optical system of focal length 10 cm. The refractive index of the material of lens is :

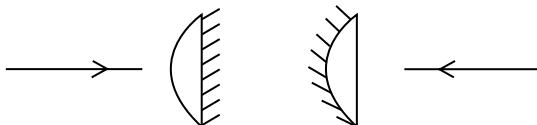


Fig. A

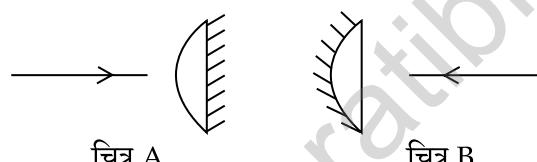
Fig. B

- (1) 1.50
- (2) 1.55
- (3) 1.75
- (4) 1.51

23. Light of wavelength 550 nm falls normally on a slit of width $22.0 \times 10^{-5} \text{ cm}$. The angular position of the second minima from the central maximum will be (in radians) :

- (1) $\frac{\pi}{12}$
- (2) $\frac{\pi}{8}$
- (3) $\frac{\pi}{6}$
- (4) $\frac{\pi}{4}$

22. एक समतलोत्तल लेंस के समतल सतह पर, चाँदी की पॉलिश करने पर, एवं बायें से दायें ओर की तरफ प्रकाशित करने पर, वह एक 28 cm फोकल दूरी का प्रकाशीय संयोजन बन जाता है (चित्र A देखें)। यदि वही समतलोत्तल लेंस के अब वक्रीय सतह पर चाँदी की पॉलिश की जाय, एवं उसको दूसरी तरफ से प्रकाशित किया जाये (चित्र B देखें) तो, वह एक 10 cm फोकल दूरी का प्रकाशीय संयोजन बन जाता है। लेंस के पदार्थ का अपवर्तनांक होगा :



चित्र A

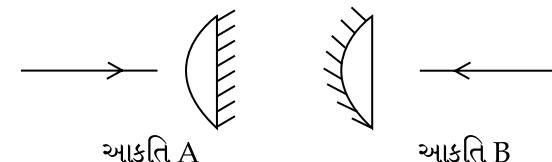
चित्र B

- (1) 1.50
- (2) 1.55
- (3) 1.75
- (4) 1.51

23. तरंगदैर्ध्य 550 nm का प्रकाश एक $22.0 \times 10^{-5} \text{ cm}$ चौड़ी एक झिरी पर लम्बवत् पड़ता है। केन्द्रीय उच्चिष्ठ से दूसरे निम्निष्ठ की कोणीय स्थिति होगी (रेडियन में) :

- (1) $\frac{\pi}{12}$
- (2) $\frac{\pi}{8}$
- (3) $\frac{\pi}{6}$
- (4) $\frac{\pi}{4}$

22. જ્યારે એક સમતલ બહિરોળ કાચને તેની સમતલ સપાટી પર ચાંદીનો ઢોળ ચઢાવીને આકૃતિ-A માં ભતાવ્યા પ્રમાણે દાખાથી જમણી તરફ પ્રકાશિત કરવામાં આવે ત્યારે તે 28 cm ની કેન્દ્રલંબાઈનો પ્રકાશીય તંત્ર તરીકે વર્તે છે. આ સમતલ બહિરોળ કાચને જો તેની વક્ત સપાટી પર ચાંદીનો ઢોળ ચઢાવવામાં આવે અને બીજી તરફથી આકૃતિ-B મુજબ પ્રકાશિત કરવામાં આવે તો તે 10 cm કેન્દ્રલંબાઈના પ્રકાશીય તંત્ર તરીકે વર્તે છે. આ કાચના દ્રવ્યનો વકીભવનાંક છે :



આકૃતિ A

આકૃતિ B

- (1) 1.50
- (2) 1.55
- (3) 1.75
- (4) 1.51

23. 550 nm તરંગલંબાઈનો પ્રકાશ $22.0 \times 10^{-5} \text{ cm}$. પહોળાઈની એક સ્લિટ પર લંબાં પડે છે. મહત્તમ મધ્યમાથી દ્વિતીય ન્યૂનયત્તમાની કોણીય સ્થિતી હશે (radian માં) :

- (1) $\frac{\pi}{12}$
- (2) $\frac{\pi}{8}$
- (3) $\frac{\pi}{6}$
- (4) $\frac{\pi}{4}$

24. Two electrons are moving with non-relativistic speeds perpendicular to each other. If corresponding de Broglie wavelengths are λ_1 and λ_2 , their de Broglie wavelength in the frame of reference attached to their centre of mass is :

- (1) $\lambda_{CM} = \lambda_1 = \lambda_2$
- (2) $\lambda_{CM} = \frac{2 \lambda_1 \lambda_2}{\sqrt{\lambda_1^2 + \lambda_2^2}}$
- (3) $\frac{1}{\lambda_{CM}} = \frac{1}{\lambda_1} + \frac{1}{\lambda_2}$
- (4) $\lambda_{CM} = \left(\frac{\lambda_1 + \lambda_2}{2} \right)$

25. The energy required to remove the electron from a singly ionized Helium atom is 2.2 times the energy required to remove an electron from Helium atom. The total energy required to ionize the Helium atom completely is :

- (1) 20 eV
- (2) 34 eV
- (3) 79 eV
- (4) 109 eV

24. दो इलेक्ट्रॉन एक दूसरे की लम्बवत दिशा में अनापेक्षिकीय चाल से चल रहे हैं। यदि उनकी संगत de Broglie तरंगदैर्घ्य λ_1 तथा λ_2 हैं, उनके द्रव्यमान केंद्र से जुड़े हुए निर्देश फ्रेम (frame of reference) में उनकी de Broglie तरंगदैर्घ्य होगी :

- (1) $\lambda_{CM} = \lambda_1 = \lambda_2$
- (2) $\lambda_{CM} = \frac{2 \lambda_1 \lambda_2}{\sqrt{\lambda_1^2 + \lambda_2^2}}$
- (3) $\frac{1}{\lambda_{CM}} = \frac{1}{\lambda_1} + \frac{1}{\lambda_2}$
- (4) $\lambda_{CM} = \left(\frac{\lambda_1 + \lambda_2}{2} \right)$

25. एक एकाकी आवेशित हीलियम आयन से इलेक्ट्रॉन निकालने की ऊर्जा, एक हीलियम परमाणु में से एक इलेक्ट्रॉन को निकालने की ऊर्जा की 2.2 गुना है। हीलियम परमाणु को पूर्ण आवेशित करने के लिए जरूरी संपूर्ण ऊर्जा होगी :

- (1) 20 eV
- (2) 34 eV
- (3) 79 eV
- (4) 109 eV

24. બે ઇલેક્ટ્રોન્સ એક બીજાને લંબ બિન-સાપેક્ષિકીય જડપથી ગતિ કરે છે. જો આને અનુરૂપ ડી-બ્રોગ્લી તરંગ લંબાઈઓ λ_1 અને λ_2 હોય, તો તેમના દ્રવ્યમાન કેન્દ્ર સાથે જોડાયેલ નિર્દેશ-ક્રેમમાં તેમની ડી-બ્રોગ્લી તરંગલંબાઈ છે :

- (1) $\lambda_{CM} = \lambda_1 = \lambda_2$
- (2) $\lambda_{CM} = \frac{2 \lambda_1 \lambda_2}{\sqrt{\lambda_1^2 + \lambda_2^2}}$
- (3) $\frac{1}{\lambda_{CM}} = \frac{1}{\lambda_1} + \frac{1}{\lambda_2}$
- (4) $\lambda_{CM} = \left(\frac{\lambda_1 + \lambda_2}{2} \right)$

25. એકાકી આયનાઈજ હિલીયમ પરમાણુમાંથી ઇલેક્ટ્રોનને દૂર કરવા માટે લાગતી ઊર્જા, હિલીયમ પરમાણુમાંથી એક ઇલેક્ટ્રોનને દૂર કરવા માટે લાગતી ઊર્જા કરતાં 2.2 ગણી છે. હિલીયમ પરમાણુને સંપૂર્ણ આયનાઈજ કરવા માટે જરૂરી કુલ ઊર્જા :

- (1) 20 eV
- (2) 34 eV
- (3) 79 eV
- (4) 109 eV

26. A solution containing active cobalt $^{60}_{27}\text{Co}$ having activity of $0.8 \mu\text{Ci}$ and decay constant λ is injected in an animal's body. If 1 cm^3 of blood is drawn from the animal's body after 10 hrs of injection, the activity found was 300 decays per minute. What is the volume of blood that is flowing in the body ? ($1 \text{ Ci} = 3.7 \times 10^{10} \text{ decays per second}$ and at $t=10 \text{ hrs } e^{-\lambda t}=0.84$)

- (1) 6 liters
- (2) 7 liters
- (3) 4 liters
- (4) 5 liters

27. In a common emitter configuration with suitable bias, it is given that R_L is the load resistance and R_{BE} is small signal dynamic resistance (input side). Then, voltage gain, current gain and power gain are given, respectively, by :

β is current gain, I_B , I_C and I_E are respectively base, collector and emitter currents.

- (1) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (2) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_E}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (3) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_E}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (4) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta \frac{R_L}{R_{BE}}$

26. एक जन्तु के शरीर में सक्रिय कोबाल्ट $^{60}_{27}\text{Co}$ के एक विलयन, जिसकी सक्रियता $0.8 \mu\text{Ci}$ तथा क्षय नियतांक λ है, की सुई लगाई जाती है। यदि सुई लगाने के 10 घण्टे बाद जन्तु के शरीर से 1 cm^3 रक्त निकाला जाये तो सक्रियता 300 क्षय प्रति मिनट पायी जाती है। जन्तु के शरीर में बहने वाले रक्त का आयतन कितना है? ($1 \text{ Ci} = 3.7 \times 10^{10} \text{ क्षय प्रति सेकंड तथा } t=10 \text{ घण्टे पर } e^{-\lambda t}=0.84$)

- (1) 6 लिटर
- (2) 7 लिटर
- (3) 4 लिटर
- (4) 5 लिटर

27. उपयुक्त बायसित उभयनिष्ठ उत्सर्जक विन्यास में यदि R_L लोड प्रतिरोध है, R_{BE} लघु सिग्नल परिवर्ती प्रतिरोध (निवेश दिशा) तो वोल्टता लब्धि, धारा लब्धि तथा शक्ति लब्धि का मान क्रमशः होगा : β धारा लब्धि, एवं I_B , I_C , I_E क्रमशः आधार धारा, संग्राहक धारा तथा उत्सर्जक धारा हैं।

- (1) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (2) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_E}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (3) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_E}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (4) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta \frac{R_L}{R_{BE}}$

26. $0.8 \mu\text{Ci}$ एक्टिवीटी अने λ क्षय अचणांक धरावता सक्रिय कोबाल्ट $^{60}_{27}\text{Co}$ धरावता एक द्रावणने कोई ऐक प्राणीना शरीरमां दाखल करवामां आवे छे. जो ईन्हेक्षणना 10 hrs पछी आ प्राणीना शरीरमांथी 1 cm^3 लोही बहार लेवामां आवे, तो 300 क्षय प्रति मिनीट एक्टिवीटी जेवा भणी. आ शरीरमां वहेता लोहीनु कद केटलुं हशे ? ($1 \text{ Ci} = 3.7 \times 10^{10} \text{ क्षय प्रति सेकंड अने } t=10 \text{ hrs, } e^{-\lambda t}=0.84$)

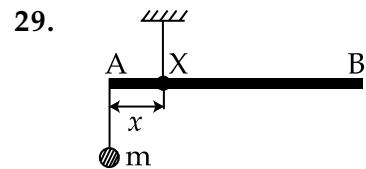
- (1) 6 लिटर
- (2) 7 लिटर
- (3) 4 लिटर
- (4) 5 लिटर

27. योग्य बायस साथेनी कोई ऐक कोमन एमिटर संरचनामां ऐभ आपेत छे के R_L ए लोड अवरोध छे, R_{BE} ए नानो सिग्नल डायनामीक अवरोध (input तरफ्नो) छे, तो अनुक्ते वोल्टेज लब्धि, प्रवाह लब्धि अने पावर लब्धिने आपवामां आवे छे :

β ए प्रवाह लब्धि छे. I_B , I_C अने I_E ए कमशः बेझ, क्लेक्टर अने ऐमीटर प्रवाहो छे.

- (1) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (2) $\beta \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_E}{\Delta I_B}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (3) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_E}, \beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}$
- (4) $\beta^2 \frac{R_L}{R_{BE}}, \frac{\Delta I_C}{\Delta I_B}, \beta \frac{R_L}{R_{BE}}$

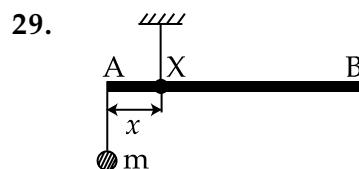
28. The number of amplitude modulated broadcast stations that can be accommodated in a 300 kHz band width for the highest modulating frequency 15 kHz will be :
- 20
 - 15
 - 10
 - 8



A uniform rod AB is suspended from a point X, at a variable distance x from A, as shown. To make the rod horizontal, a mass m is suspended from its end A. A set of (m, x) values is recorded. The appropriate variables that give a straight line, when plotted, are :

- m, x
- $m, \frac{1}{x}$
- $m, \frac{1}{x^2}$
- m, x^2

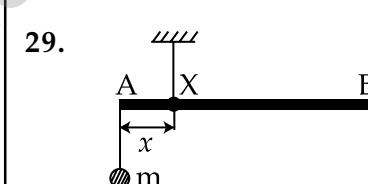
28. आयाम माडुलित प्रसारण केन्द्रों की वह संख्या, जिसके उच्चतम 15 kHz माडुलन आवृत्ति के लिये 300 kHz बैण्ड चौड़ाई में समायोजित किया जा सकता है, होगी :
- 20
 - 15
 - 10
 - 8



एक एकसमान छड़ AB को चित्रानुसार बिन्दु X, जो कि A से x दूरी पर है, से लटकाया जाता है। इस छड़ को क्षेत्रिक खनने के लिये उसके सिरे A से एक द्रव्यमान m को लटकाते हैं। इस तरह (m, x) मानों का एक समूह प्राप्त होता है। इस समूह से उचित चर, जिनको आलेखित (plot) करने से एक सीधी रेखा प्राप्त हो, होंगे :

- m, x
- $m, \frac{1}{x}$
- $m, \frac{1}{x^2}$
- m, x^2

28. 15 kHz बैण्ड विथ समावी शकायत तेवा अभ्यासीट्यूड मोड्युलेशन प्रसारण मथकोनी संख्या
- 20
 - 15
 - 10
 - 8



આકृतिमાં દર્શાવ્યા મુજબ એકસમાન સણિયો AB નો બિંદુ X, A થી પરિવર્તનીય અંતર x પર લટકાવેલ છે. સણિયાને સમક્ષિતિજ બનાવવા, A ખૂણેથી m દળને લટકાવામાં આપે છે. (m, x) સેટનાં મૂલ્યો રેકૉર્ડ કરવામાં આપે છે. પ્લોટિંગ વખતે, યોગ્ય ચલો જે સરળ રેખા આપે તે :

- m, x
- $m, \frac{1}{x}$
- $m, \frac{1}{x^2}$
- m, x^2

30. In a screw gauge, 5 complete rotations of the screw cause it to move a linear distance of 0.25 cm. There are 100 circular scale divisions. The thickness of a wire measured by this screw gauge gives a reading of 4 main scale divisions and 30 circular scale divisions. Assuming negligible zero error, the thickness of the wire is :

- (1) 0.4300 cm
- (2) 0.2150 cm
- (3) 0.3150 cm
- (4) 0.0430 cm

30. एक स्क्रू गेज में, स्क्रू के 5 पूर्ण चक्कर में यह 0.25 cm रैखिक दूरी चलता है। इसके वृत्तीय पैमाने पर 100 भाग हैं। इस स्क्रू गेज द्वारा एक तार की मोटाई के मापन में मुख्य पैमाने के 4 भाग तथा वृत्तीय पैमाने के 30 भाग पाठ्यांक आता है। यदि शून्य त्रुटि नगण्य हो तो, तार की मोटाई है :

- (1) 0.4300 cm
- (2) 0.2150 cm
- (3) 0.3150 cm
- (4) 0.0430 cm

30. કોઈ એક સ્કુ ગેજમાં સ્કુના 5 પૂર્ણ આંટોઓ ફેરવતા તે 0.25 cm રેખીય અંતર ખસે છે. અહીં વર્તુળાકાર સ્કેલ પર 100 કાપાઓ છે. આ સ્કુ ગેજની મદદ થી એક તારની જડાઈ માપતા તે 4 મુખ્ય માપ પછીના કાપા અને 30 વર્તુળાકાર પછીના કાપાનું અવલોકન આપે છે. અવગણી શક્ય તેવી શૂન્ય ત્રુટિ ધારતાં, આ તારની જડાઈ છે :

- (1) 0.4300 cm
- (2) 0.2150 cm
- (3) 0.3150 cm
- (4) 0.0430 cm

PART B – CHEMISTRY

31. A sample of NaClO_3 is converted by heat to NaCl with a loss of 0.16 g of oxygen. The residue is dissolved in water and precipitated as AgCl . The mass of AgCl (in g) obtained will be : (Given: Molar mass of $\text{AgCl} = 143.5 \text{ g mol}^{-1}$)
 (1) 0.35
 (2) 0.41
 (3) 0.48
 (4) 0.54
32. Which of the following arrangements shows the schematic alignment of magnetic moments of antiferromagnetic substance ?
 (1) $\uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow$
 (2) $\uparrow \downarrow \downarrow \downarrow \downarrow \uparrow$
 (3) $\uparrow \downarrow \uparrow \downarrow \uparrow \downarrow$
 (4) $\uparrow \uparrow \downarrow \uparrow \uparrow \downarrow$
33. The minimum volume of water required to dissolve 0.1 g lead(II) chloride to get a saturated solution (K_{sp} of $\text{PbCl}_2 = 3.2 \times 10^{-8}$; atomic mass of Pb = 207 u) is :
 (1) 0.36 L
 (2) 17.98 L
 (3) 0.18 L
 (4) 1.798 L

भाग B – रसायन विज्ञान

31. NaClO_3 के एक प्रतिदर्श को ऊष्मा के द्वारा NaCl में परिवर्तित किया जाता है जिसमें 0.16 g ऑक्सीजन की क्षति होती है। अवशिष्ट को जल में घोला जाता है तथा AgCl के रूप में अवक्षेपित किया जाता है। प्राप्त AgCl की मात्रा (ग्राम में) होगी, (दिया गया है : AgCl की मोलर संहिता = 143.5 g mol^{-1})
 (1) 0.35
 (2) 0.41
 (3) 0.48
 (4) 0.54
32. निम्न में से कौन सी व्यवस्था प्रतिलोह चुम्बकीय पदार्थ के चुम्बकीय आघूर्ण के योजनाबद्ध सरेखण को प्रदर्शित करती है?
 (1) $\uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow$
 (2) $\uparrow \downarrow \downarrow \downarrow \downarrow \uparrow$
 (3) $\uparrow \downarrow \uparrow \downarrow \uparrow \downarrow$
 (4) $\uparrow \uparrow \downarrow \uparrow \uparrow \downarrow$
33. 0.1 g लेड(II) क्लोराइड को घोलकर एक संतृप्त विलयन पाने के लिए आवश्यक जल का न्यूनतम आयतन होगा, (PbCl_2 का $K_{\text{sp}} = 3.2 \times 10^{-8}$, Pb का परमाणु भार = 207 u)
 (1) 0.36 L
 (2) 17.98 L
 (3) 0.18 L
 (4) 1.798 L

भाग B – २८सायण शास्त्र

31. NaClO_3 नां एक नमूनानुं गरमी वडे NaCl मां ३५ांतर करવामां आवे त्यारे साथे 0.16 g ओक्सिजन पश्च दूर थाय छे. बाकीनी शेष (Residue) ने पाणीमां ओगाणता AgCl अवक्षेपित थाय छे. AgCl नुं (g मां) दण शुं भण्हे ? (आपेल : AgCl नुं भोलर दण = 143.5 g mol^{-1})
 (1) 0.35
 (2) 0.41
 (3) 0.48
 (4) 0.54
32. नीये आपेली गोठवणो पैकी कई प्रतिलोहचुंबकीय पदार्थनी चुंबकीय चाकमात्रानी रेखाकृत गोठवणा छे ?
 (1) $\uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow \uparrow$
 (2) $\uparrow \downarrow \downarrow \downarrow \downarrow \uparrow$
 (3) $\uparrow \downarrow \uparrow \downarrow \uparrow \downarrow$
 (4) $\uparrow \uparrow \downarrow \uparrow \uparrow \downarrow$
33. 0.1 g लेड(II) क्लोराइड ने ओगाणीने संतृप्त द्रावण प्राप्त करवा माटे पाणीनुं ओछामां ओछुं केटलुं कद जोઈअ ? (PbCl_2 नो $K_{\text{sp}} = 3.2 \times 10^{-8}$; Pb नो परमाणवीय दण = 207 u छे.)
 (1) 0.36 L
 (2) 17.98 L
 (3) 0.18 L
 (4) 1.798 L

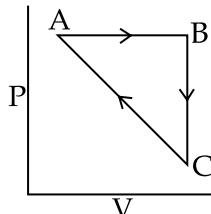
34. In which of the following reactions, an increase in the volume of the container will favour the formation of products ?
- $2\text{NO}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{NO}(\text{g}) + \text{O}_2(\text{g})$
 - $\text{H}_2(\text{g}) + \text{I}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{HI}(\text{g})$
 - $4\text{NH}_3(\text{g}) + 5\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 4\text{NO}(\text{g}) + 6\text{H}_2\text{O}(\text{l})$
 - $3\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{O}_3(\text{g})$
35. When an electric current is passed through acidified water, 112 mL of hydrogen gas at N.T.P. was collected at the cathode in 965 seconds. The current passed, in ampere, is :
- 1.0
 - 0.5
 - 0.1
 - 2.0
36. N_2O_5 decomposes to NO_2 and O_2 and follows first order kinetics. After 50 minutes, the pressure inside the vessel increases from 50 mmHg to 87.5 mmHg. The pressure of the gaseous mixture after 100 minute at constant temperature will be :
- 175.0 mmHg
 - 116.25 mmHg
 - 136.25 mmHg
 - 106.25 mmHg

34. निम्न अभिक्रियाओं में से किसमें पात्र के आयतन में वृद्धि उत्पाद बनने में अनुकूल पड़ेगी ?
- $2\text{NO}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{NO}(\text{g}) + \text{O}_2(\text{g})$
 - $\text{H}_2(\text{g}) + \text{I}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{HI}(\text{g})$
 - $4\text{NH}_3(\text{g}) + 5\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 4\text{NO}(\text{g}) + 6\text{H}_2\text{O}(\text{l})$
 - $3\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{O}_3(\text{g})$
35. जब अम्लीकृत जल से विद्युत धारा प्रवाहित की जाती है तो 965 सेकण्ड में कैथोड पर (NTP पर) 112 mL हाईड्रोजन गैस एकत्रित होती है। प्रवाहित की गई विद्युत धारा, एम्पियर में, होगी :
- 1.0
 - 0.5
 - 0.1
 - 2.0
36. N_2O_5 विघटित होकर NO_2 तथा O_2 देता है और प्रथम कोटि की गतिक का अनुसरण करता है। 50 मिनट के बाद, पात्र के अंदर दब 50 mmHg से बढ़कर 87.5 mmHg हो जाता है। स्थिर ताप पर 100 मिनट के बाद गैसीय मिश्रण का दब होगा :
- 175.0 mmHg
 - 116.25 mmHg
 - 136.25 mmHg
 - 106.25 mmHg
34. નીચે આપેલ પ્રક્રિયાઓમાં, ક્યા માં પાત્રનું કદ વધારવામાં આવે તો તે નીપણે બનવાની તરફેણ કરશે ?
- $2\text{NO}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{NO}(\text{g}) + \text{O}_2(\text{g})$
 - $\text{H}_2(\text{g}) + \text{I}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{HI}(\text{g})$
 - $4\text{NH}_3(\text{g}) + 5\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 4\text{NO}(\text{g}) + 6\text{H}_2\text{O}(\text{l})$
 - $3\text{O}_2(\text{g}) \rightleftharpoons 2\text{O}_3(\text{g})$
35. જ્યારે એસિડિક પાણીમાંથી વિદ્યુતપ્રવાહ પસાર કરવામાં આવે ત્યારે 965 સેકન્ડોમાં કેથોડ ઉપર N.T.P. એ 112 mL હાઇડ્રોજન વાયુ ભેગો થાય છે. એમ્પિયરમાં પસાર થતો પ્રવાહ શોધો.
- 1.0
 - 0.5
 - 0.1
 - 2.0
36. N_2O_5 એ NO_2 અને O_2 માં વિધટન પામે છે જે પ્રથમ ક્રમની ગતિકીને અનુસરે છે. 50 મિનિટો પછી પાત્રની અંદર 2 હેલ્પું દબાણ 50 mmHg થી વધીને 87.5 mmHg થાય છે. નિયત તાપમાને 100 મિનિટો પછી વાયુમય મિશ્રણનું દબાણ શું હશે ?
- 175.0 mmHg
 - 116.25 mmHg
 - 136.25 mmHg
 - 106.25 mmHg

37. For which of the following reactions, ΔH is equal to ΔU ?
- $N_2(g) + 3H_2(g) \rightarrow 2NH_3(g)$
 - $2HI(g) \rightarrow H_2(g) + I_2(g)$
 - $2NO_2(g) \rightarrow N_2O_4(g)$
 - $2SO_2(g) + O_2(g) \rightarrow 2SO_3(g)$
38. Which of the following statements about colloids is **False** ?
- Freezing point of colloidal solution is lower than true solution at same concentration of a solute.
 - Colloidal particles can pass through ordinary filter paper.
 - When silver nitrate solution is added to potassium iodide solution, a negatively charged colloidal solution is formed.
 - When excess of electrolyte is added to colloidal solution, colloidal particle will be precipitated.
39. Ejection of the photoelectron from metal in the photoelectric effect experiment can be stopped by applying 0.5 V when the radiation of 250 nm is used. The work function of the metal is :
- 4 eV
 - 4.5 eV
 - 5 eV
 - 5.5 eV

37. निम्न अभिक्रियाओं में से किसमें, ΔH का मान ΔU के बराबर है ?
- $N_2(g) + 3H_2(g) \rightarrow 2NH_3(g)$
 - $2HI(g) \rightarrow H_2(g) + I_2(g)$
 - $2NO_2(g) \rightarrow N_2O_4(g)$
 - $2SO_2(g) + O_2(g) \rightarrow 2SO_3(g)$
38. कोलाइड के सम्बन्ध में निम्न में से कौन सा कथन असत्य है ?
- विलेय की एक ही सान्द्रता पर वास्तविक विलयन की तुलना में कोलाइडी विलयन का हिमांक निम्न होता है।
 - कोलाइडी कण एक साधारण फिल्टर पेपर से होकर निकल जाते हैं।
 - जब सिल्वर नाइट्रोट विलयन, पोटैशियम आयोडाइड विलयन में मिलाया जाता है तो एक ऋणावेशित कोलाइडी विलयन बनता है।
 - जब कोलाइडी विलयन में विद्युत अपघट्य की मात्रा आधिक्य में डालने पर कोलाइडी कण अवक्षेपित हो जाते हैं।
39. प्रकाशविद्युत प्रभाव के प्रयोग में जब 250 nm का विकिरण प्रयुक्त हो तो 0.5 V के विभव को लगाने से धातु से फोटोइलेक्ट्रॉन का निकलना बंद किया जा सकता है। धातु का कार्यफलन है :
- 4 eV
 - 4.5 eV
 - 5 eV
 - 5.5 eV
37. નીચે આપેલ પ્રક્રિયાઓમાં ક્યામાં ΔH એ ΔU ને બરાબર થશે ?
- $N_2(g) + 3H_2(g) \rightarrow 2NH_3(g)$
 - $2HI(g) \rightarrow H_2(g) + I_2(g)$
 - $2NO_2(g) \rightarrow N_2O_4(g)$
 - $2SO_2(g) + O_2(g) \rightarrow 2SO_3(g)$
38. નીચે આપેતામાંથી કયું વિધાન કલિલોના સંદર્ભમાં ખોટું છે ?
- દ્રાવ્યની સરખી સંદ્રભાએ, કલિલ દ્રાવણોનું ધરબિંદુ સાચા દ્રાવણો કરતાં નીચું હોય છે.
 - કલિલ કણો સાદા ગાળણ પત્ર માંથી પસાર થઈ શકે છે.
 - જ્યારે સિલ્વર નાઇટ્રોટ દ્રાવણને પોટેશિયમ આયોડાઇડ દ્રાવણમાં ઉમેરવામાં આવે ત્યારે ઝાણભારીય કલિલ દ્રાવણ બને છે.
 - જ્યારે વધુ પડતો વિદ્યુતવિભાજય કલિલ દ્રાવણમાં ઉમેરવામાં આવે ત્યાર, કલિલ કણનું અવક્ષેપન થશે.
39. ફોટોઇલેક્ટ્રોયિક અસર પ્રયોગમાં જ્યારે 250 nm વિકિરણનો ઉપયોગ કરવામાં આવે તો 0.5 V ને લગાડવાથી ધાતુ થી ફોટોઇલેક્ટ્રોનના નિકળવાને બંધ કરી શકાય છે. આ ધાતુનું કાર્ય વિદેય શું છે ?
- 4 eV
 - 4.5 eV
 - 5 eV
 - 5.5 eV

40. An ideal gas undergoes a cyclic process as shown in Figure.



$\Delta U_{BC} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $q_{AB} = 2 \text{ kJ mol}^{-1}$
 $W_{AB} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $W_{CA} = 3 \text{ kJ mol}^{-1}$
Heat absorbed by the system during process CA is :

- (1) -5 kJ mol^{-1}
- (2) $+5 \text{ kJ mol}^{-1}$
- (3) 18 kJ mol^{-1}
- (4) -18 kJ mol^{-1}

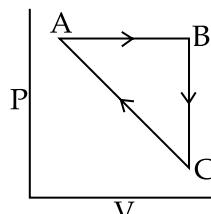
41. For Na^+ , Mg^{2+} , F^- and O^{2-} ; the correct order of increasing ionic radii is :

- (1) $\text{O}^{2-} < \text{F}^- < \text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+}$
- (2) $\text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+} < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (3) $\text{Mg}^{2+} < \text{Na}^+ < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (4) $\text{Mg}^{2+} < \text{O}^{2-} < \text{Na}^+ < \text{F}^-$

42. In the molecular orbital diagram for the molecular ion, N_2^+ , the number of electrons in the σ_{2p} molecular orbital is :

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 2
- (4) 3

40. एक आदर्श गैस एक चक्रीय प्रक्रम से गुजरती है जैसा कि चित्र में दर्शाया गया है।



$\Delta U_{BC} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $q_{AB} = 2 \text{ kJ mol}^{-1}$
 $W_{AB} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $W_{CA} = 3 \text{ kJ mol}^{-1}$
CA प्रक्रम में तंत्र द्वारा शोषित ऊर्जा है :

- (1) -5 kJ mol^{-1}
- (2) $+5 \text{ kJ mol}^{-1}$
- (3) 18 kJ mol^{-1}
- (4) -18 kJ mol^{-1}

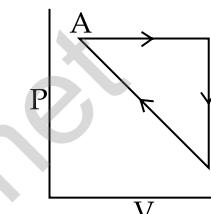
41. Na^+ , Mg^{2+} , F^- तथा O^{2-} के लिये, आयनिक त्रिज्याओं का बढ़ता सही क्रम है :

- (1) $\text{O}^{2-} < \text{F}^- < \text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+}$
- (2) $\text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+} < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (3) $\text{Mg}^{2+} < \text{Na}^+ < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (4) $\text{Mg}^{2+} < \text{O}^{2-} < \text{Na}^+ < \text{F}^-$

42. आण्विक आयन, N_2^+ के लिए आण्विक कक्षक डायग्राम में, σ_{2p} आण्विक कक्षक में इलेक्ट्रॉनों की संख्या है :

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 2
- (4) 3

40. એક આદર્શ વાયુ આકૃતિમાં દર્શાવ્યા મુજબ ચક્કાય પ્રક્રમને અનુસરે છે.



$\Delta U_{BC} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $q_{AB} = 2 \text{ kJ mol}^{-1}$
 $W_{AB} = -5 \text{ kJ mol}^{-1}$, $W_{CA} = 3 \text{ kJ mol}^{-1}$
CA પ્રક્રમ દરમાન પ્રણાતી દ્વારા શોધાતી ઉજ્ઝ્વા શોધો :

- (1) -5 kJ mol^{-1}
- (2) $+5 \text{ kJ mol}^{-1}$
- (3) 18 kJ mol^{-1}
- (4) -18 kJ mol^{-1}

41. Na^+ , Mg^{2+} , F^- અને O^{2-} માટે, આયનિક ત્રિજ્યાનો સાચો ચઢતો કમ શોધો.

- (1) $\text{O}^{2-} < \text{F}^- < \text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+}$
- (2) $\text{Na}^+ < \text{Mg}^{2+} < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (3) $\text{Mg}^{2+} < \text{Na}^+ < \text{F}^- < \text{O}^{2-}$
- (4) $\text{Mg}^{2+} < \text{O}^{2-} < \text{Na}^+ < \text{F}^-$

42. આણવીય આયન, N_2^+ માટે આણવીય કક્ષક ચિત્રમાં σ_{2p} આણવીય કક્ષકમાં ઇલેક્ટ્રોનોની સંખ્યા શોધો :

- (1) 0
- (2) 1
- (3) 2
- (4) 3

43. Which of the following is a Lewis acid ?

- (1) PH_3
- (2) $\text{B}(\text{CH}_3)_3$
- (3) NaH
- (4) NF_3

44. In graphite and diamond, the percentage of p-characters of the hybrid orbitals in hybridisation are respectively :

- (1) 33 and 25
- (2) 33 and 75
- (3) 50 and 75
- (4) 67 and 75

45. A white sodium salt dissolves readily in water to give a solution which is neutral to litmus. When silver nitrate solution is added to the aforementioned solution, a white precipitate is obtained which does not dissolve in dil. nitric acid. The anion is :

- (1) CO_3^{2-}
- (2) SO_4^{2-}
- (3) Cl^-
- (4) S^{2-}

46. Identify the pair in which the geometry of the species is T-shape and square-pyramidal, respectively :

- (1) ClF_3 and IO_4^-
- (2) ICl_2^- and ICl_5
- (3) XeOF_2 and XeOF_4
- (4) IO_3^- and IO_2F_2^-

43. निम्न में से कौन एक लूइस अम्ल है ?

- (1) PH_3
- (2) $\text{B}(\text{CH}_3)_3$
- (3) NaH
- (4) NF_3

44. ग्रेफाइट तथा डायमंड के संकरण में, संकर कक्षकों के p-गुणों की प्रतिशतता क्रमशः होगी :

- (1) 33 तथा 25
- (2) 33 तथा 75
- (3) 50 तथा 75
- (4) 67 तथा 75

45. एक सफेद सोडियम लवण जल में शीघ्रता से घुलकर एक विलयन देता है जो लिटमस के प्रति उदासीन है। इस प्राप्त विलयन में जब सिल्वर नाइट्रोट का विलयन मिलाया जाता है तो एक सफेद अवक्षेप प्राप्त होता है जो तनु नाइट्रिक अम्ल में अघुलनशील है। ऋणायन है :

- (1) CO_3^{2-}
- (2) SO_4^{2-}
- (3) Cl^-
- (4) S^{2-}

46. उस युग्म को बताइये जिसमें स्पीशीज़ की ज्यामिति क्रमशः T-आकार तथा वर्ग-पिरैमिडी आकार की हैं :

- (1) ClF_3 तथा IO_4^-
- (2) ICl_2^- तथा ICl_5
- (3) XeOF_2 तथा XeOF_4
- (4) IO_3^- तथा IO_2F_2^-

43. नीचे आपेलाभांथी क्यों लुईस ऐसिड है ?

- (1) PH_3
- (2) $\text{B}(\text{CH}_3)_3$
- (3) NaH
- (4) NF_3

44. ग्रेफाइट अने हीरामां, संकरणमां रहेती संकर कक्षकोंनी p-प्रकृतिनी टकावारी अनुकूल नीचेनाभांथी शोधो.

- (1) 33 अने 25
- (2) 33 अने 75
- (3) 50 अने 75
- (4) 67 अने 75

45. एक सफेद सोडियम क्षार पाइटीमां तरत ज ओगणीने जे द्रावणा आपे छे ते लिटमस प्रत्ये तटस्थ छे. ज्यारे सिल्वर नाइट्रोटना द्रावणने उपर बनावेल द्रावणमां उभेतां सफेद अवक्षेप प्राप्त थाय छे के जे भंद नाईट्रोट ऐसिडमां ओगणता नथी. तो ऐनायन शोधो.

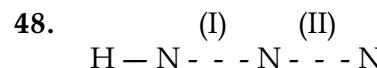
- (1) CO_3^{2-}
- (2) SO_4^{2-}
- (3) Cl^-
- (4) S^{2-}

46. ऐवा युग्मो ओगणी बतावो के जेमां स्पीशीज़ोंनी भूमिति अनुकूल T-आकार अने सभयोरस-पीरामीडल होय जे शोधो.

- (1) ClF_3 अने IO_4^-
- (2) ICl_2^- अने ICl_5
- (3) XeOF_2 अने XeOF_4
- (4) IO_3^- अने IO_2F_2^-

47. The correct combination is :

- (1) $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – tetrahedral ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – paramagnetic
- (2) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – paramagnetic ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – tetrahedral
- (3) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – square-planar ;
 $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – paramagnetic
- (4) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – diamagnetic ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – square-planar



In hydrogen azide (above) the bond orders of bonds (I) and (II) are :

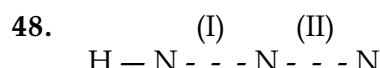
- | (I) | (II) |
|--------|------|
| (1) <2 | >2 |
| (2) >2 | <2 |
| (3) >2 | >2 |
| (4) <2 | <2 |

49. The decreasing order of bond angles in BF_3 , NH_3 , PF_3 and I_3^- is :

- (1) $\text{I}_3^- > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{BF}_3$
- (2) $\text{I}_3^- > \text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3$
- (3) $\text{BF}_3 > \text{I}_3^- > \text{PF}_3 > \text{NH}_3$
- (4) $\text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{I}_3^-$

47. सही संयोजन है :

- (1) $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – चतुष्फलकीय ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – अनुचुम्बकीय
- (2) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – अनुचुम्बकीय ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – चतुष्फलकीय
- (3) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – वर्ग-समतली ;
 $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – अनुचुम्बकीय
- (4) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – प्रतिचुम्बकीय ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – वर्ग-समतली



ऊपर दिये गये हाइड्रोजन एजाइड में आवन्ध (I) तथा (II) के आवन्ध क्रम हैं :

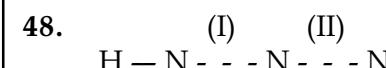
- | (I) | (II) |
|--------|------|
| (1) <2 | >2 |
| (2) >2 | <2 |
| (3) >2 | >2 |
| (4) <2 | <2 |

49. BF_3 , NH_3 , PF_3 तथा I_3^- में आवन्ध कोणों का घटता क्रम है :

- (1) $\text{I}_3^- > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{BF}_3$
- (2) $\text{I}_3^- > \text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3$
- (3) $\text{BF}_3 > \text{I}_3^- > \text{PF}_3 > \text{NH}_3$
- (4) $\text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{I}_3^-$

47. સાચું યુગમન નીચેનામાંથી શોધો.

- (1) $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – સમયતુલ્લકીય ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – અનુચુંબકીય
- (2) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – અનુચુંબકીય ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – સમયતુલ્લકીય
- (3) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – સમતલીય સમયોરસ ;
 $[\text{Ni}(\text{CN})_4]^{2-}$ – અનુચુંબકીય
- (4) $[\text{NiCl}_4]^{2-}$ – પ્રતિચુંબકીય ;
 $[\text{Ni}(\text{CO})_4]$ – સમતલીય સમયોરસ



હાઇડ્રોજન એજાઇડ (ઉપર) માં, (I) અને (II) બંધોના બંધકમાંક શોધો.

- | (I) | (II) |
|--------|------|
| (1) <2 | >2 |
| (2) >2 | <2 |
| (3) >2 | >2 |
| (4) <2 | <2 |

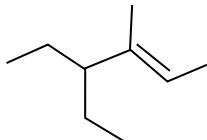
49. BF_3 , NH_3 , PF_3 અને I_3^- નાં બંધ ખૂણાઓનો ઉત્તરો ક્રમ શોધો.

- (1) $\text{I}_3^- > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{BF}_3$
- (2) $\text{I}_3^- > \text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3$
- (3) $\text{BF}_3 > \text{I}_3^- > \text{PF}_3 > \text{NH}_3$
- (4) $\text{BF}_3 > \text{NH}_3 > \text{PF}_3 > \text{I}_3^-$

50. Xenon hexafluoride on partial hydrolysis produces compounds 'X' and 'Y'. Compounds 'X' and 'Y' and the oxidation state of Xe are respectively :

- (1) $\text{XeO}_2(+4)$ and $\text{XeO}_3(+6)$
- (2) $\text{XeOF}_4(+6)$ and $\text{XeO}_3(+6)$
- (3) $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$ and $\text{XeO}_2(+4)$
- (4) $\text{XeOF}_4(+6)$ and $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$

51. The IUPAC name of the following compound is :



- (1) 4-methyl-3-ethylhex-4-ene
- (2) 3-ethyl-4-methylhex-4-ene
- (3) 4-ethyl-3-methylhex-2-ene
- (4) 4, 4-diethyl-3-methylbut-2-ene

50. जेनान हेक्साफ्लोराइड आंशिक जल अपघटन पर यौगिक 'X' तथा 'Y' उत्पन्न करता है। यौगिक 'X' तथा 'Y' एवं उनमें Xe की ऑक्सीकरण अवस्थायें क्रमशः हैं :

- (1) $\text{XeO}_2(+4)$ तथा $\text{XeO}_3(+6)$
- (2) $\text{XeOF}_4(+6)$ तथा $\text{XeO}_3(+6)$
- (3) $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$ तथा $\text{XeO}_2(+4)$
- (4) $\text{XeOF}_4(+6)$ तथा $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$

51. यौगिक

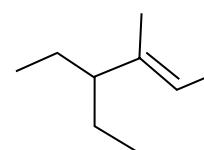
आई.यू.पी.ए.सी. नाम है :

- (1) 4-मेथिल-3-एथिलहेक्स-4-ईन
- (2) 3-एथिल-4-मेथिलहेक्स-4-ईन
- (3) 4-एथिल-3-मेथिलहेक्स-2-ईन
- (4) 4, 4-डाइएथिल-3-मेथिलब्यूट-2-ईन

50. ऐनोन हेक्साफ्लोराइडनुं आंशिक जलविभाजन करवाथी संयोजनो 'X' अने 'Y' उत्पन्न थाय छे. संयोजनो 'X' अने 'Y' अने Xe नी ओक्सिडेशन अवस्था अनुकम्भे नीचेनामांथी शोधो.

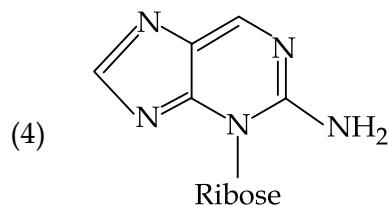
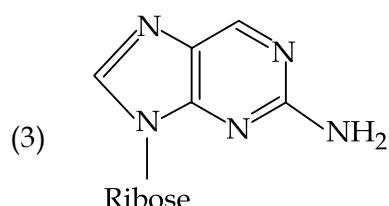
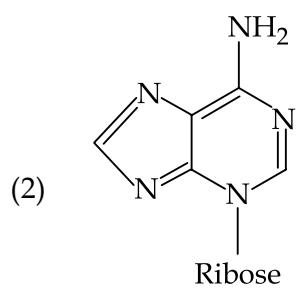
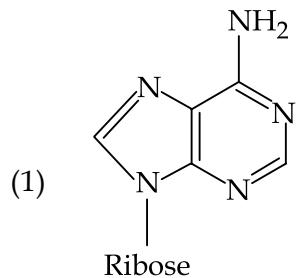
- (1) $\text{XeO}_2(+4)$ अने $\text{XeO}_3(+6)$
- (2) $\text{XeOF}_4(+6)$ अने $\text{XeO}_3(+6)$
- (3) $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$ अने $\text{XeO}_2(+4)$
- (4) $\text{XeOF}_4(+6)$ अने $\text{XeO}_2\text{F}_2(+6)$

51. नीचे आपेला संयोजननुं IUPAC नाम शोधो :

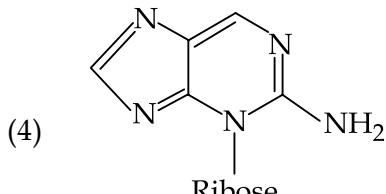
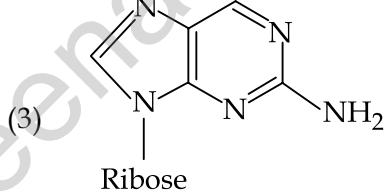
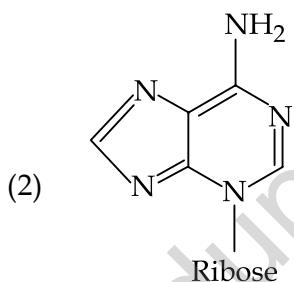
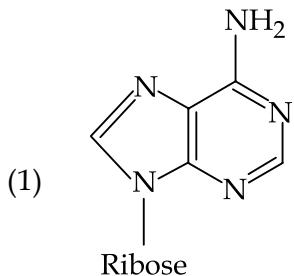


- (1) 4-मिथाईल-3-ईथाईलहेक्झ-4-ईन
- (2) 3-ईथाईल-4-मिथाईलहेक्झ-4-ईन
- (3) 4-ईथाईल-3-मिथाईलहेक्झ-2-ईन
- (4) 4, 4-डाइएथिल-3-मिथाईलहेक्झ-2-ईन

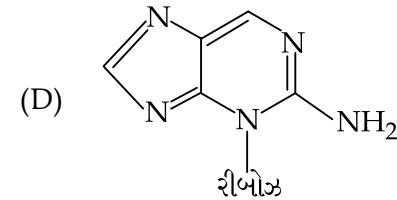
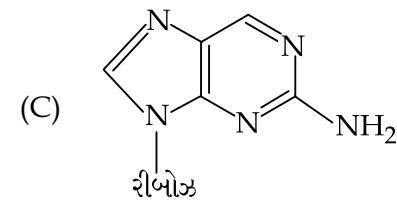
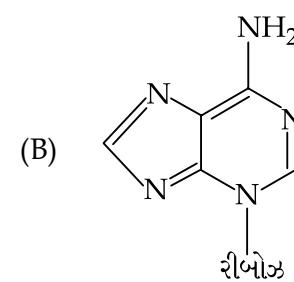
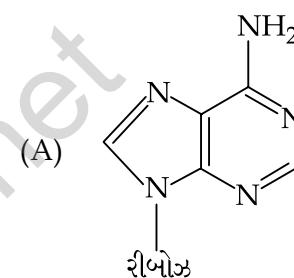
52. Which of the following is the correct structure of Adenosine?



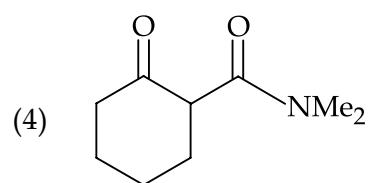
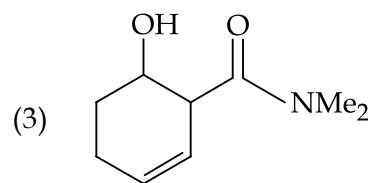
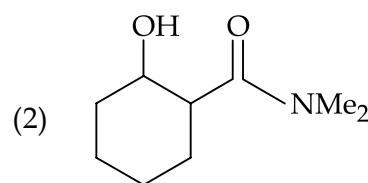
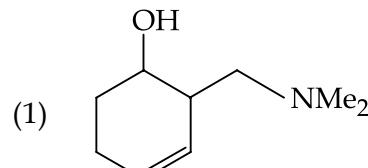
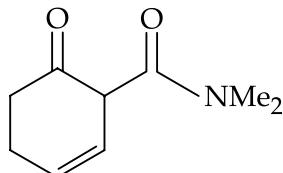
52. एडिनोसीन की सही संरचना निम्न में से कौन सी है?



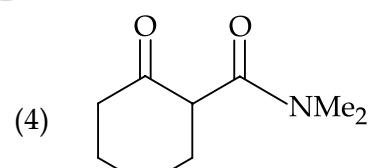
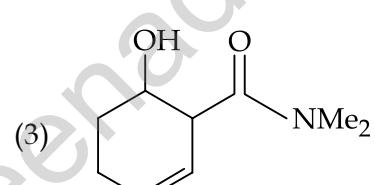
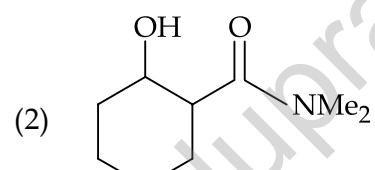
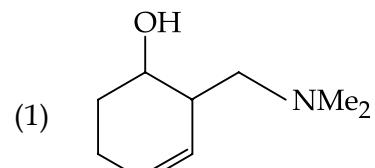
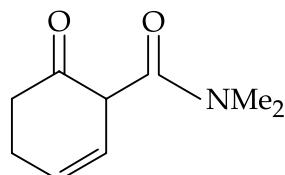
52. નીચે આપેલામાંથી ક્યું એડોનોસાઈન (Adenosine) નું સાચું બંધારણ છે?



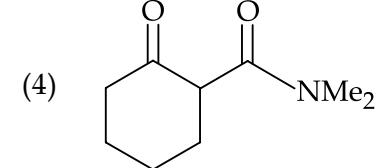
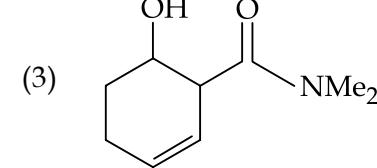
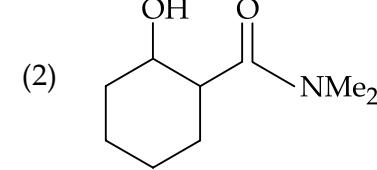
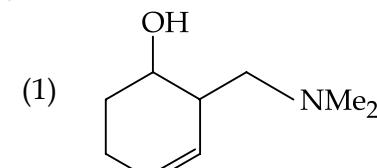
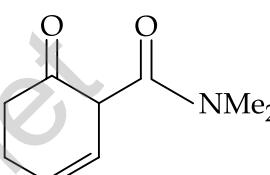
53. The main reduction product of the following compound with NaBH_4 in methanol is :



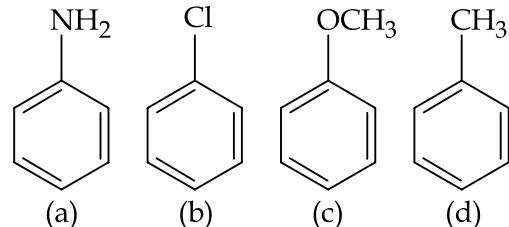
53. मेथेनॉल में NaBH_4 के साथ निम्न यौगिक का मुख्य अपचयन उत्पाद है :



53. નીચે આપેલા સંયોજનની ભિથેનોલમાંના NaBH_4 સાથેની મુખ્ય રિડક્ષન નીપણ નીચેનામાંથી શોધો.



54. The increasing order of nitration of the following compounds is :



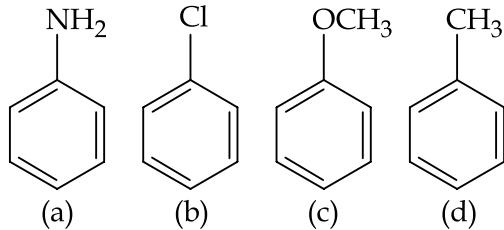
- (1) (b) < (a) < (c) < (d)
- (2) (a) < (b) < (c) < (d)
- (3) (b) < (a) < (d) < (c)
- (4) (a) < (b) < (d) < (c)

55. The correct match between items of List-I and List-II is :

List - I		List - II
(A) Coloured impurity	(P)	Steam distillation
(B) Mixture of <i>o</i> -nitrophenol and <i>p</i> -nitrophenol	(Q)	Fractional distillation
(C) Crude Naphtha	(R)	Charcoal treatment
(D) Mixture of glycerol and sugars	(S)	Distillation under reduced pressure

- (1) (A)-(R), (B)-(S), (C)-(P), (D)-(Q)
- (2) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(S), (D)-(Q)
- (3) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(Q), (D)-(S)
- (4) (A)-(P), (B)-(S), (C)-(R), (D)-(Q)

54. निम्न यौगिकों के नाइट्रोकरण का बढ़ता क्रम है :



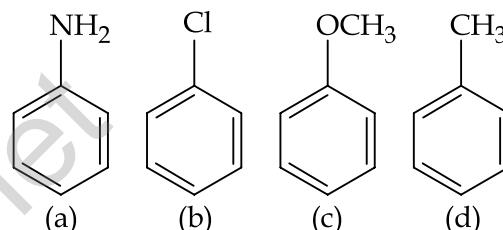
- (1) (b) < (a) < (c) < (d)
- (2) (a) < (b) < (c) < (d)
- (3) (b) < (a) < (d) < (c)
- (4) (a) < (b) < (d) < (c)

55. लिस्ट - I तथा लिस्ट - II के मद्दें के बीच सही सुमेल है :

लिस्ट - I		लिस्ट - II
(A) रंगीन अपद्रव्य	(P)	वाष्प आसवन
(B) <i>p</i> -नाइट्रोफेनॉल और <i>o</i> -नाइट्रोफेनॉल का मिश्रण	(Q)	प्रभाजी आसवन
(C) क्रूड नैफ्था	(R)	चारकोल उपचार
(D) गिलसरॉल और शर्कराओं का मिश्रण	(S)	समानीत दाब पर आसवन

- (1) (A)-(R), (B)-(S), (C)-(P), (D)-(Q)
- (2) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(S), (D)-(Q)
- (3) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(Q), (D)-(S)
- (4) (A)-(P), (B)-(S), (C)-(R), (D)-(Q)

54. નીચે આપેલા સંયોજનોનાં નાઈટ્રોશનનો ચઢતો ફર્મ શોધો.



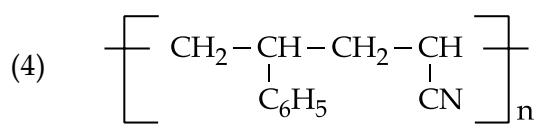
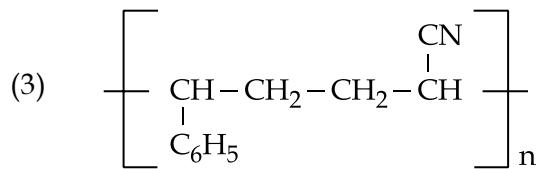
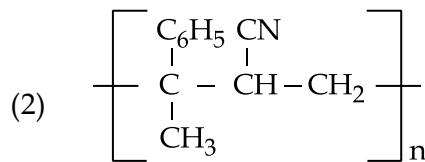
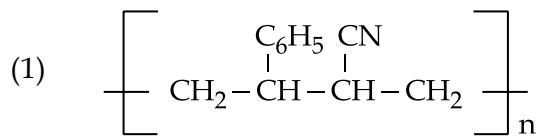
- (1) (b) < (a) < (c) < (d)
- (2) (a) < (b) < (c) < (d)
- (3) (b) < (a) < (d) < (c)
- (4) (a) < (b) < (d) < (c)

55. યાદી-I માં આપેલી વસ્તુઓનું યાદી-II માં સાથે સાચું જોડાણ કરો.

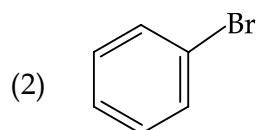
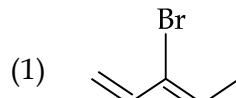
યાદી - I		યાદી - II
(A) રંગીન અશુદ્ધિ	(P)	વરણ
(B) <i>o</i> -નાઈટ્રોફિનોલ અને <i>p</i> -નાઈટ્રોફિનોલનું મિશ્રણ	(Q)	નિસ્યંદન
(C) નેફ્થા અપરિષ્કૃત (Crude)	(R)	ચારકોલ
(D) ડિલિસરોલ અને ઝાંડનું મિશ્રણ	(S)	પ્રક્રિયા કરતા નીચા દ્વારે નિસ્યંદન

- (1) (A)-(R), (B)-(S), (C)-(P), (D)-(Q)
- (2) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(S), (D)-(Q)
- (3) (A)-(R), (B)-(P), (C)-(Q), (D)-(S)
- (4) (A)-(P), (B)-(S), (C)-(R), (D)-(Q)

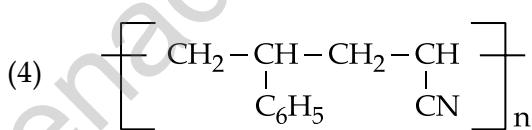
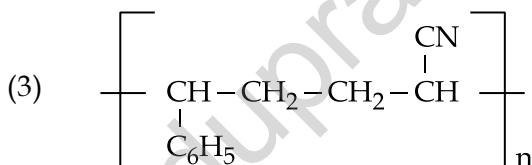
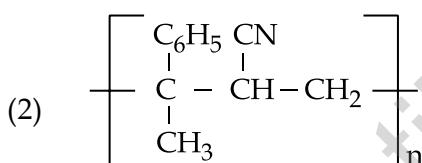
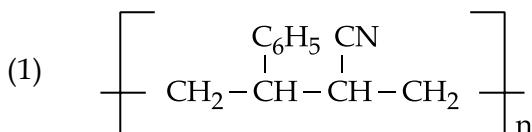
56. The copolymer formed by addition polymerization of styrene and acrylonitrile in the presence of peroxide is :



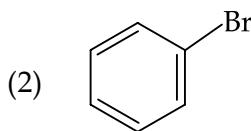
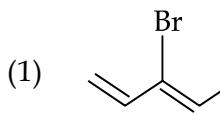
57. Which of the following will most readily give the dehydrohalogenation product ?



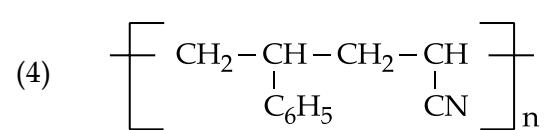
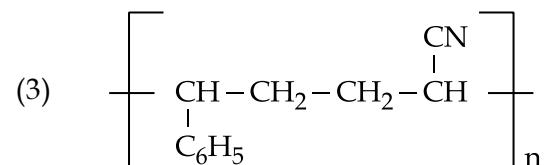
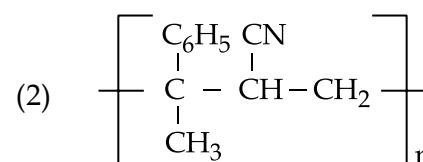
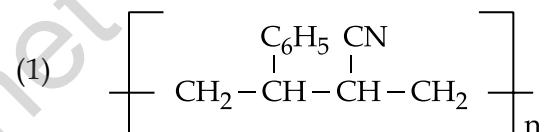
56. स्टाइरीन तथा एक्रिलोनाइट्राइल के पराक्साइड की उपस्थिति में योगज बहुलकीकरण द्वारा बननेवाला सहबहुलक है :



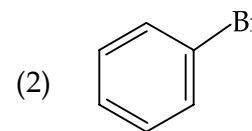
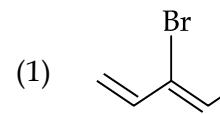
57. निम्न में से कौन सर्वाधिक शीघ्रता से विहाइड्रोहैलोजनीकरण उत्पाद देगा ?

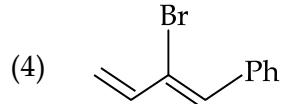
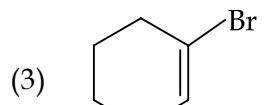


56. स्टाइरीन अने एक्रिलोनाइट्राइलनी पेरोक्साइडनी हाजरीमां, योगशील भृत्याकरण थर्डने नीयेनामांथी क्यों को-पोलीमर बने छे ?

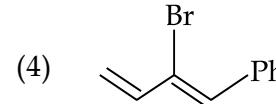
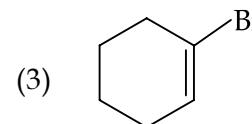
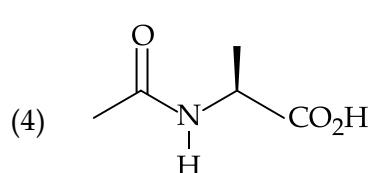
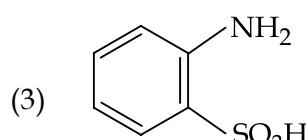
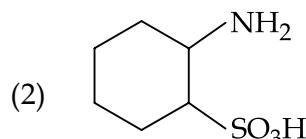
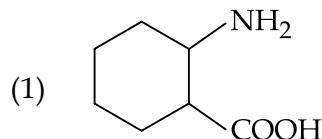


57. नीये आपेलामांथी कोण सौथी झડपथी (तरत ४) डीहाइड्रोहैलोजनेशन नीपछ आपरो ?

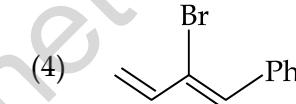
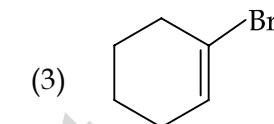
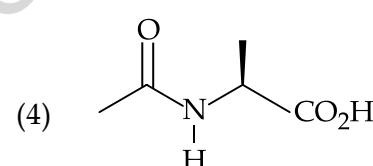
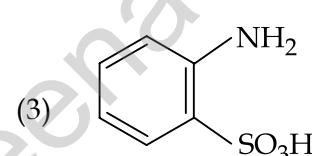
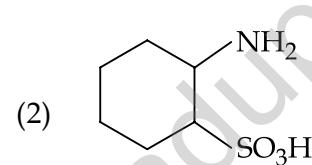
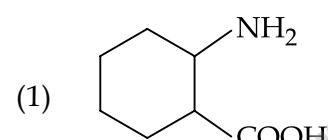




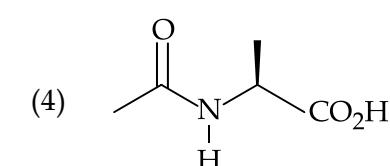
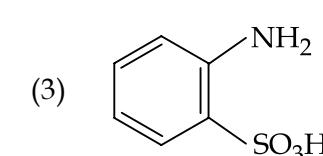
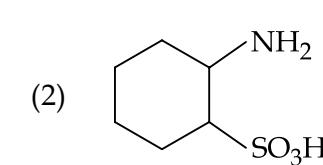
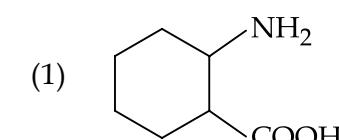
58. Which of the following will not exist in zwitter ionic form at pH=7 ?



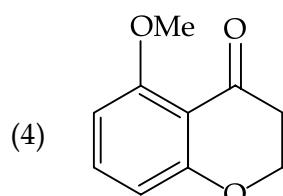
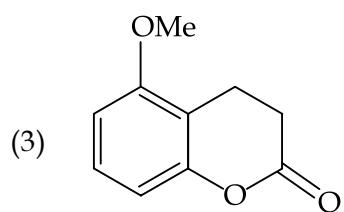
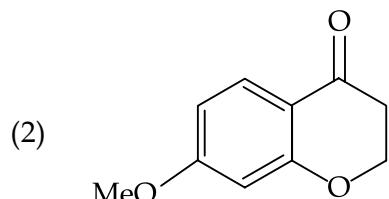
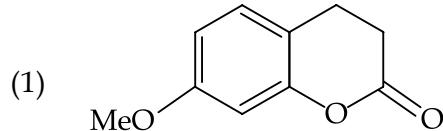
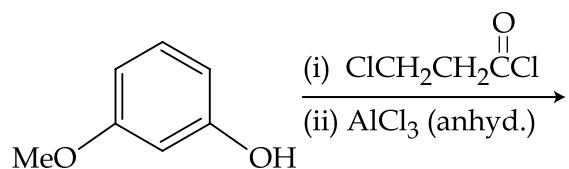
58. pH=7 पर, निम्न में से कौन उभयविष्ट आयनिक रूप में नहीं मिलेगा ?



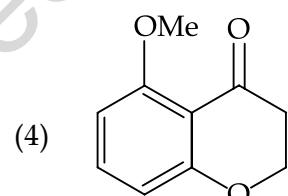
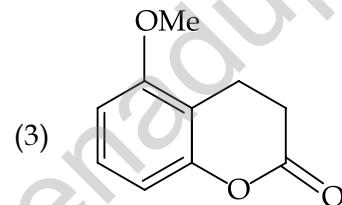
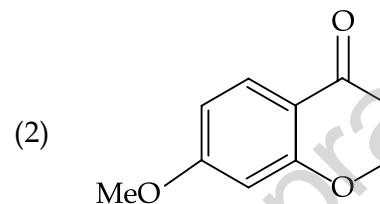
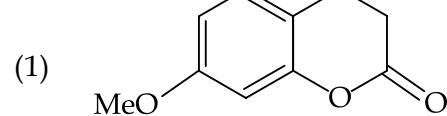
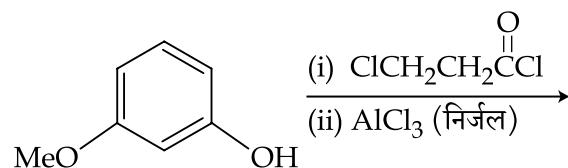
58. નીચે આપેલામાંથી ક્યો pH=7 પર જીવીટર આયન તરીકે અસ્તિત્વ ધરાવતો નથી ?



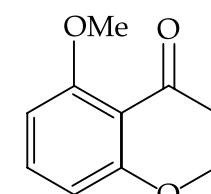
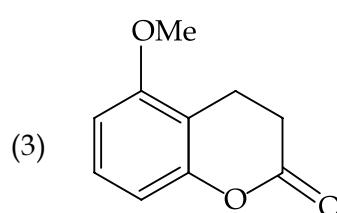
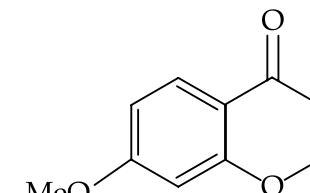
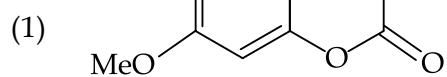
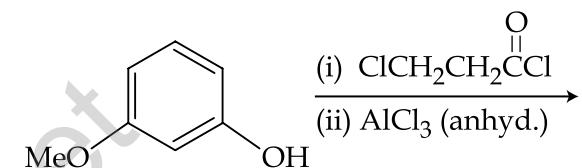
59. The major product of the following reaction is :



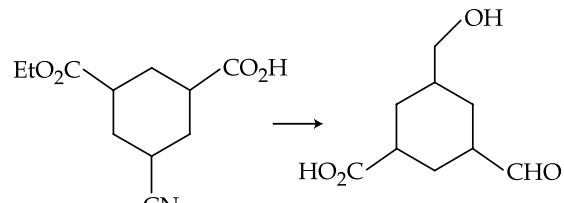
59. निम्न अभिक्रिया का मुख्य उत्पाद है :



59. નીચે આપેલ પ્રક્રિયામાં મુખ્ય નીપજ શોધો.

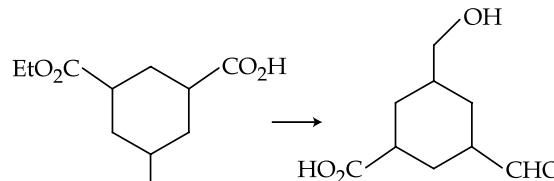


60. The reagent(s) required for the following conversion are :



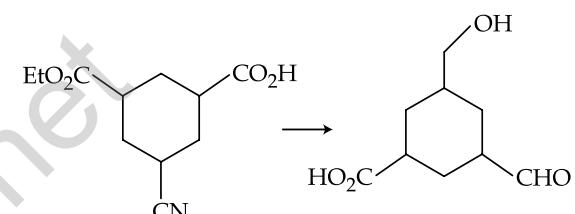
- (1) (i) B_2H_6 (ii) $SnCl_2/HCl$
- (2) (i) $LiAlH_4$ (ii) H_3O^+
- (3) (i) B_2H_6 (ii) DIBAL-H
- (4) (i) $NaBH_4$ (ii) Raney Ni/ H_2
(iii) H_3O^+

60. निम्न रूपांतरण के लिये आवश्यक अभिकारक हैं :



- (1) (i) B_2H_6 (ii) $SnCl_2/HCl$
(iii) H_3O^+
- (2) (i) $LiAlH_4$ (ii) H_3O^+
- (3) (i) B_2H_6 (ii) DIBAL-H
(iii) H_3O^+
- (4) (i) $NaBH_4$ (ii) Raney Ni/ H_2
(iii) H_3O^+

60. નીચે આપેલા રૂપાંતરણમાં ક્યો પ્રક્રિયક(કો) જરૂરી બને છે ?



- (1) (i) B_2H_6 (ii) $SnCl_2/HCl$
(iii) H_3O^+
- (2) (i) $LiAlH_4$ (ii) H_3O^+
- (3) (i) B_2H_6 (ii) DIBAL-H
(iii) H_3O^+
- (4) (i) $NaBH_4$ (ii) Raney Ni/ H_2
(iii) H_3O^+

PART C – MATHEMATICS

61. Consider the following two binary relations on the set $A = \{a, b, c\}$:

$R_1 = \{(c, a), (b, b), (a, c), (c, c), (b, c), (a, a)\}$
and $R_2 = \{(a, b), (b, a), (c, c), (c, a), (a, a), (b, b), (a, c)\}$.

Then :

- (1) both R_1 and R_2 are not symmetric.
- (2) R_1 is not symmetric but it is transitive.
- (3) R_2 is symmetric but it is not transitive.
- (4) both R_1 and R_2 are transitive.

62. If $\lambda \in \mathbb{R}$ is such that the sum of the cubes of the roots of the equation,
 $x^2 + (2 - \lambda)x + (10 - \lambda) = 0$ is minimum, then the magnitude of the difference of the roots of this equation is :

- (1) $4\sqrt{2}$
- (2) $2\sqrt{5}$
- (3) $2\sqrt{7}$
- (4) 20

भाग C – गणित

61. समुच्चय $A = \{a, b, c\}$ पर निम्न दो द्विआधारी संबंधों पर विचार कीजिए :

$R_1 = \{(c, a), (b, b), (a, c), (c, c), (b, c), (a, a)\}$
और $R_2 = \{(a, b), (b, a), (c, c), (c, a), (a, a), (b, b), (a, c)\}$, तो

- (1) R_1 तथा R_2 दोनों सममित नहीं हैं।
- (2) R_1 सममित नहीं है परन्तु संक्रामक है।
- (3) R_2 सममित है परन्तु संक्रामक नहीं है।
- (4) R_1 तथा R_2 दोनों संक्रामक हैं।

62. यदि $\lambda \in \mathbb{R}$ ऐसा है कि समीकरण $x^2 + (2 - \lambda)x + (10 - \lambda) = 0$ के मूलों के घनों का योग न्यूनतम है, तो इस समीकरण के मूलों के अंतर का परिमाण है :

- (1) $4\sqrt{2}$
- (2) $2\sqrt{5}$
- (3) $2\sqrt{7}$
- (4) 20

भाग C – गणित

61. गण. $A = \{a, b, c\}$ परन्ता ऐ द्विअंगी संबंध नीये प्रमाणे विचारो :

$R_1 = \{(c, a), (b, b), (a, c), (c, c), (b, c), (a, a)\}$
अने $R_2 = \{(a, b), (b, a), (c, c), (c, a), (a, a), (b, b), (a, c)\}$.

तो :

- (1) R_1 अने R_2 बन्ने संभित नथी.
- (2) R_1 संभित नथी परन्तु परंपरित छे.
- (3) R_2 संभित छे परन्तु परंपरित नथी.
- (4) R_1 अने R_2 बन्ने परंपरित छे.

62. जे $\lambda \in \mathbb{R}$ ऐवी संख्या होय के जेथी समीकरण $x^2 + (2 - \lambda)x + (10 - \lambda) = 0$ ना बीजेनां धननो सरवाणो न्यूनतम थतो होय, तो आ समीकरणा बीजेनां तकापतनो मान _____ छे.

- (1) $4\sqrt{2}$
- (2) $2\sqrt{5}$
- (3) $2\sqrt{7}$
- (4) 20

63. The set of all $\alpha \in \mathbb{R}$, for which $w = \frac{1+(1-8\alpha)z}{1-z}$ is a purely imaginary number, for all $z \in \mathbb{C}$ satisfying $|z|=1$ and $\operatorname{Re} z \neq 1$, is :
- an empty set
 - $\{0\}$
 - $\left\{0, \frac{1}{4}, -\frac{1}{4}\right\}$
 - equal to \mathbb{R}

64. Let A be a matrix such that $A \cdot \begin{bmatrix} 1 & 2 \\ 0 & 3 \end{bmatrix}$ is a scalar matrix and $|3A|=108$. Then A^2 equals :
- $\begin{bmatrix} 4 & -32 \\ 0 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & 0 \\ -32 & 4 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 4 & 0 \\ -32 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & -32 \\ 0 & 4 \end{bmatrix}$

63. सभी $\alpha \in \mathbb{R}$ के समुच्चय, जिसके लिए $w = \frac{1+(1-8\alpha)z}{1-z}$ सभी $z \in \mathbb{C}$ के लिए, जो कि $|z|=1$ तथा $\operatorname{Re} z \neq 1$ को संतुष्ट करते हैं, मात्र एक काल्पनिक संख्या है, है :
- एक रिक्त समुच्चय
 - $\{0\}$
 - $\left\{0, \frac{1}{4}, -\frac{1}{4}\right\}$
 - \mathbb{R} के बराबर

64. माना A एक ऐसा आव्यूह है कि $A \cdot \begin{bmatrix} 1 & 2 \\ 0 & 3 \end{bmatrix}$ एक अदिश आव्यूह है तथा $|3A|=108$ है, तो A^2 बराबर है :
- $\begin{bmatrix} 4 & -32 \\ 0 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & 0 \\ -32 & 4 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 4 & 0 \\ -32 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & -32 \\ 0 & 4 \end{bmatrix}$

63. वधा $\alpha \in \mathbb{R}$ नां गण जेनां माटे $w = \frac{1+(1-8\alpha)z}{1-z}$ वधां $z \in \mathbb{C}$ नां माटे जे कि $|z|=1$, $\operatorname{Re} z \neq 1$ ने संतोषे छे, मात्र एक शूद्ध काल्पनिक संख्या छे, ते :
- आली गण छे.
 - $\{0\}$
 - $\left\{0, \frac{1}{4}, -\frac{1}{4}\right\}$
 - \mathbb{R} ने भराबर

64. धारो के A एवो श्रेणिक छे के जेथी $A \cdot \begin{bmatrix} 1 & 2 \\ 0 & 3 \end{bmatrix}$ एव्हिश श्रेणिक अने $|3A|=108$ थाय. तो $A^2 = \underline{\hspace{2cm}}$.
- $\begin{bmatrix} 4 & -32 \\ 0 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & 0 \\ -32 & 4 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 4 & 0 \\ -32 & 36 \end{bmatrix}$
 - $\begin{bmatrix} 36 & -32 \\ 0 & 4 \end{bmatrix}$

65. Let S be the set of all real values of k for which the system of linear equations

$$x + y + z = 2$$

$$2x + y - z = 3$$

$$3x + 2y + kz = 4$$

has a unique solution. Then S is :

- (1) an empty set
- (2) equal to $\{0\}$
- (3) equal to \mathbf{R}
- (4) equal to $\mathbf{R} - \{0\}$

66. n-digit numbers are formed using only three digits 2, 5 and 7. The smallest value of n for which 900 such distinct numbers can be formed, is :

- (1) 6
- (2) 7
- (3) 8
- (4) 9

67. If n is the degree of the polynomial,

$$\left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}-\sqrt{5x^3-1}} \right]^8 +$$

$$\left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}+\sqrt{5x^3-1}} \right]^8$$

and m is the coefficient of x^n in it, then the ordered pair (n, m) is equal to :

- (1) $(24, (10)^8)$
- (2) $(8, 5(10)^4)$
- (3) $(12, (20)^4)$
- (4) $(12, 8(10)^4)$

65. माना S, k के ऐसे सभी वास्तविक मानों का समुच्चय है जिनके लिए निम्न रैखिक समीकरणों के निकाय का एक अद्वितीय हल है।

$$x + y + z = 2$$

$$2x + y - z = 3$$

$$3x + 2y + kz = 4$$

तो, S है :

- (1) एक रिक्त समुच्चय
- (2) $\{0\}$ के समान
- (3) \mathbf{R} के समान
- (4) $\mathbf{R} - \{0\}$ के समान

66. केवल तीन अंकों 2, 5 तथा 7 के प्रयोग से n-अंकों वाली संख्याएँ बनाई गई हैं। n का वह न्यूनतम मान, जिसके लिए 900 ऐसी विभिन्न संख्याएँ बनाई जा सकें, है :

- (1) 6
- (2) 7
- (3) 8
- (4) 9

67. यदि n, बहुपद $\left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}-\sqrt{5x^3-1}} \right]^8 + \left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}+\sqrt{5x^3-1}} \right]^8$ की घात है, तथा m इसमें स्थित x^n का गुणांक है, तो क्रमित युग्म (n, m) बराबर है :

- (1) $(24, (10)^8)$
- (2) $(8, 5(10)^4)$
- (3) $(12, (20)^4)$
- (4) $(12, 8(10)^4)$

65. ધારો કે S એ k ની એવી તમામ વાસ્તવિક સંખ્યાઓનો ગણ છે કે જેથી સુરેખ સમીકરણ સહિત

$$x + y + z = 2$$

$$2x + y - z = 3$$

$$3x + 2y + kz = 4$$

ને અન્ય ઉકલ મળે. તો S :

- (1) ખાતી ગણ છે.
- (2) બરાબર $\{0\}$ છે.
- (3) બરાબર \mathbf{R} છે.
- (4) બરાબર $\mathbf{R} - \{0\}$ છે.

66. ફક્ત ત્રણ અંકો 2, 5 અને 7 નો ઉપયોગ કરી n-અંકવાળી સંખ્યાઓ બનાવવામાં આવે છે. તો n ની એવી ન્યૂનતમ ક્રમિત કઈ હશે કે જેથી આ પ્રકારની 900 બિન્ન સંખ્યાઓ બને ?

- (1) 6
- (2) 7
- (3) 8
- (4) 9

67. બહુપદ $\left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}-\sqrt{5x^3-1}} \right]^8 + \left[\frac{2}{\sqrt{5x^3+1}+\sqrt{5x^3-1}} \right]^8$ ની ઘાત n હોય અને તેમાં x^n નો સહગુણક m હોય, તો ક્રમ્યુકત જોડ (n, m) = _____.

- (1) $(24, (10)^8)$
- (2) $(8, 5(10)^4)$
- (3) $(12, (20)^4)$
- (4) $(12, 8(10)^4)$

68. If x_1, x_2, \dots, x_n and $\frac{1}{h_1}, \frac{1}{h_2}, \dots, \frac{1}{h_n}$ are two A.P.s such that $x_3 = h_2 = 8$ and $x_8 = h_7 = 20$, then $x_5 \cdot h_{10}$ equals :
 (1) 2560
 (2) 2650
 (3) 3200
 (4) 1600

69. If b is the first term of an infinite G.P. whose sum is five, then b lies in the interval :
 (1) $(-\infty, -10]$
 (2) $(-10, 0)$
 (3) $(0, 10)$
 (4) $[10, \infty)$

70. If $f(x) = \begin{vmatrix} \cos x & x & 1 \\ 2\sin x & x^2 & 2x \\ \tan x & x & 1 \end{vmatrix}$, then

$$\lim_{x \rightarrow 0} \frac{f'(x)}{x}$$

- (1) does not exist.
 (2) exists and is equal to 2.
 (3) exists and is equal to 0.
 (4) exists and is equal to -2.

68. यदि x_1, x_2, \dots, x_n तथा $\frac{1}{h_1}, \frac{1}{h_2}, \dots, \frac{1}{h_n}$ दो ऐसी समांतर श्रेढ़ियाँ हैं कि $x_3 = h_2 = 8$ तथा $x_8 = h_7 = 20$ है, तो $x_5 \cdot h_{10}$ का मान है :
 (1) 2560
 (2) 2650
 (3) 3200
 (4) 1600

69. यदि b , एक ऐसी अपरिमित गुणोत्तर श्रेढ़ी जिसका योग 5 है, का प्रथम पद है, तो b जिस अंतराल में स्थित है, वह है :
 (1) $(-\infty, -10]$
 (2) $(-10, 0)$
 (3) $(0, 10)$
 (4) $[10, \infty)$

70. यदि $f(x) = \begin{vmatrix} \cos x & x & 1 \\ 2\sin x & x^2 & 2x \\ \tan x & x & 1 \end{vmatrix}$ है, तो

$$\lim_{x \rightarrow 0} \frac{f'(x)}{x}$$

- (1) का अस्तित्व नहीं है।
 (2) का अस्तित्व है तथा यह 2 के बराबर है।
 (3) का अस्तित्व है तथा यह 0 के बराबर है।
 (4) का अस्तित्व है तथा यह -2 के बराबर है।

68. जो x_1, x_2, \dots, x_n और $\frac{1}{h_1}, \frac{1}{h_2}, \dots, \frac{1}{h_n}$ दो समांतर श्रेष्ठीओं (A.P.s) हों कि जैसे $x_3 = h_2 = 8$ और $x_8 = h_7 = 20$, तो $x_5 \cdot h_{10} = \underline{\hspace{2cm}}$.

- (1) 2560
 (2) 2650
 (3) 3200
 (4) 1600

69. एक अनंत समगुणोत्तर श्रेष्ठी (G.P.) नु प्रथम पद b छे और तेनो सरवाणो 5 छे, तो b ए $\underline{\hspace{2cm}}$ अंतरालमां आवेद छे।

- (1) $(-\infty, -10]$
 (2) $(-10, 0)$
 (3) $(0, 10)$
 (4) $[10, \infty)$

70. जो $f(x) = \begin{vmatrix} \cos x & x & 1 \\ 2\sin x & x^2 & 2x \\ \tan x & x & 1 \end{vmatrix}$, तो

$$\lim_{x \rightarrow 0} \frac{f'(x)}{x}$$

- (1) अस्तित्व धरावतुं नथी।
 (2) अस्तित्व धरावे छे और भराबर 2 छे।
 (3) अस्तित्व धरावे छे और भराबर 0 छे।
 (4) अस्तित्व धरावे छे और भराबर -2 छे।

71. If $x^2 + y^2 + \sin y = 4$, then the value of $\frac{d^2y}{dx^2}$ at the point $(-2, 0)$ is :

- (1) -34
- (2) -32
- (3) 4
- (4) -2

72. Let $S = \{(\lambda, \mu) \in \mathbf{R} \times \mathbf{R} : f(t) = (|\lambda| e^{|t|} - \mu) \cdot \sin(2|t|), t \in \mathbf{R}\}$, is a differentiable function}. Then S is a subset of :

- (1) $\mathbf{R} \times [0, \infty)$
- (2) $[0, \infty) \times \mathbf{R}$
- (3) $\mathbf{R} \times (-\infty, 0)$
- (4) $(-\infty, 0) \times \mathbf{R}$

73. If a right circular cone, having maximum volume, is inscribed in a sphere of radius 3 cm, then the curved surface area (in cm^2) of this cone is :

- (1) $6\sqrt{2}\pi$
- (2) $6\sqrt{3}\pi$
- (3) $8\sqrt{2}\pi$
- (4) $8\sqrt{3}\pi$

71. यदि $x^2 + y^2 + \sin y = 4$ है तो बिंदु $(-2, 0)$ पर $\frac{d^2y}{dx^2}$ का मान है :

- (1) -34
- (2) -32
- (3) 4
- (4) -2

72. माना $S = \{(\lambda, \mu) \in \mathbf{R} \times \mathbf{R} : f(t) = (|\lambda| e^{|t|} - \mu) \cdot \sin(2|t|), t \in \mathbf{R}\}$ एक अवकलनीय फलन है } तो S जिसका उपसमुच्चय है, वह है :

- (1) $\mathbf{R} \times [0, \infty)$
- (2) $[0, \infty) \times \mathbf{R}$
- (3) $\mathbf{R} \times (-\infty, 0)$
- (4) $(-\infty, 0) \times \mathbf{R}$

73. यदि 3 सेमी त्रिज्या वाले गोले के अंतर्गत एक अधिकतम आयतन का लंबवृत्तीय शंकु बनाया गया है, तो इस शंकु का वक्र पृष्ठीय क्षेत्रफल (वर्ग सेमी में) है :

- (1) $6\sqrt{2}\pi$
- (2) $6\sqrt{3}\pi$
- (3) $8\sqrt{2}\pi$
- (4) $8\sqrt{3}\pi$

71. એ $x^2 + y^2 + \sin y = 4$, તો બિંડુ $(-2, 0)$ આગળ $\frac{d^2y}{dx^2}$ નું મૂલ્ય _____ છે.

- (1) -34
- (2) -32
- (3) 4
- (4) -2

72. ધરો કે $S = \{(\lambda, \mu) \in \mathbf{R} \times \mathbf{R} : f(t) = (|\lambda| e^{|t|} - \mu) \cdot \sin(2|t|), t \in \mathbf{R}\}$, એ વિકલનીય વિધેય છે}. તો S એ _____ નો ઉપગણ છે.

- (1) $\mathbf{R} \times [0, \infty)$
- (2) $[0, \infty) \times \mathbf{R}$
- (3) $\mathbf{R} \times (-\infty, 0)$
- (4) $(-\infty, 0) \times \mathbf{R}$

73. 3 cm ત્રિજ્યાવાળા ગોલકમાં અંતર્ગત મહત્વમાં ધનફળવાળા લંબવૃત્તિય શંકુની વક્ર સપાઈનું ક્ષેત્રફળ (cm^2 માં) _____ છે.

- (1) $6\sqrt{2}\pi$
- (2) $6\sqrt{3}\pi$
- (3) $8\sqrt{2}\pi$
- (4) $8\sqrt{3}\pi$

74. If $f\left(\frac{x-4}{x+2}\right)=2x+1$, ($x \in \mathbf{R} - \{-1, -2\}$), then

$\int f(x)dx$ is equal to :

(where C is a constant of integration)

- (1) $12 \log_e |1-x| + 3x + C$
- (2) $-12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (3) $12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (4) $-12 \log_e |1-x| + 3x + C$

75. The area (in sq. units) of the region

$\{x \in \mathbf{R} : x \geq 0, y \geq 0, y \geq x-2 \text{ and } y \leq \sqrt{x}\}$, is :

- (1) $\frac{13}{3}$
- (2) $\frac{8}{3}$
- (3) $\frac{10}{3}$
- (4) $\frac{5}{3}$

74. यदि $f\left(\frac{x-4}{x+2}\right)=2x+1$, ($x \in \mathbf{R} - \{-1, -2\}$) है, तो

$\int f(x)dx$ बराबर है :

(जहाँ C एक समाकलन अचर है)

- (1) $12 \log_e |1-x| + 3x + C$
- (2) $-12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (3) $12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (4) $-12 \log_e |1-x| + 3x + C$

75. क्षेत्र $\{x \in \mathbf{R} : x \geq 0, y \geq 0, y \geq x-2 \text{ तथा}$

$y \leq \sqrt{x}\}$ का क्षेत्रफल (वर्ग इकाइयों में) है :

- (1) $\frac{13}{3}$
- (2) $\frac{8}{3}$
- (3) $\frac{10}{3}$
- (4) $\frac{5}{3}$

74. जो $f\left(\frac{x-4}{x+2}\right)=2x+1$, ($x \in \mathbf{R} - \{-1, -2\}$), तो

$\int f(x)dx = \text{_____}$.

(जहाँ C एसंक्लननो अचरांक हे)

- (1) $12 \log_e |1-x| + 3x + C$
- (2) $-12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (3) $12 \log_e |1-x| - 3x + C$
- (4) $-12 \log_e |1-x| + 3x + C$

75. प्रदेश $\{x \in \mathbf{R} : x \geq 0, y \geq 0, y \geq x-2 \text{ अने}$

$y \leq \sqrt{x}\}$ नुः क्षेत्रफल (यो. एकममी) _____

हे.

- (1) $\frac{13}{3}$
- (2) $\frac{8}{3}$
- (3) $\frac{10}{3}$
- (4) $\frac{5}{3}$

76. The value of the integral

$$\int_{-\frac{\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} \sin^4 x \left(1 + \log\left(\frac{2+\sin x}{2-\sin x}\right) \right) dx \text{ is :}$$

- (1) 0
- (2) $\frac{3}{4}$
- (3) $\frac{3}{8}\pi$
- (4) $\frac{3}{16}\pi$

77. Let $y = y(x)$ be the solution of the differential equation $\frac{dy}{dx} + 2y = f(x)$, where

$$f(x) = \begin{cases} 1 & , x \in [0, 1] \\ 0 & , \text{otherwise} \end{cases}$$

If $y(0) = 0$, then $y\left(\frac{3}{2}\right)$ is :

- (1) $\frac{e^2+1}{2e^4}$
- (2) $\frac{1}{2e}$
- (3) $\frac{e^2-1}{e^3}$
- (4) $\frac{e^2-1}{2e^3}$

76. समाकल

$$\int_{-\frac{\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} \sin^4 x \left(1 + \log\left(\frac{2+\sin x}{2-\sin x}\right) \right) dx \text{ का मान}$$

है :

- (1) 0
- (2) $\frac{3}{4}$
- (3) $\frac{3}{8}\pi$
- (4) $\frac{3}{16}\pi$

77. माना $y = y(x)$, अवकल समीकरण

$$\frac{dy}{dx} + 2y = f(x) \text{ का हल है, जहाँ}$$

$$f(x) = \begin{cases} 1 & , x \in [0, 1] \\ 0 & , \text{अन्यथा} \end{cases}$$

है। यदि $y(0) = 0$, है तो $y\left(\frac{3}{2}\right)$ बराबर है :

- (1) $\frac{e^2+1}{2e^4}$
- (2) $\frac{1}{2e}$
- (3) $\frac{e^2-1}{e^3}$
- (4) $\frac{e^2-1}{2e^3}$

$$76. \int_{-\frac{\pi}{2}}^{\frac{\pi}{2}} \sin^4 x \left(1 + \log\left(\frac{2+\sin x}{2-\sin x}\right) \right) dx \text{ का मान}$$

किमत _____ दृ.

- (1) 0
- (2) $\frac{3}{4}$
- (3) $\frac{3}{8}\pi$
- (4) $\frac{3}{16}\pi$

77. धारो के $y = y(x)$ ए विकल सभीकरण

$$\frac{dy}{dx} + 2y = f(x), \text{ नो उक्ल छे ज्ञात}$$

$$f(x) = \begin{cases} 1 & , x \in [0, 1] \\ 0 & , \text{अन्यथा} \end{cases}$$

जे $y(0) = 0$, तो $y\left(\frac{3}{2}\right) = \underline{\hspace{2cm}}$.

- (1) $\frac{e^2+1}{2e^4}$
- (2) $\frac{1}{2e}$
- (3) $\frac{e^2-1}{e^3}$
- (4) $\frac{e^2-1}{2e^3}$

78. In a triangle ABC, coordinates of A are (1, 2) and the equations of the medians through B and C are respectively, $x+y=5$ and $x=4$. Then area of ΔABC (in sq. units) is :
 (1) 12
 (2) 4
 (3) 5
 (4) 9
79. A circle passes through the points (2, 3) and (4, 5). If its centre lies on the line, $y-4x+3=0$, then its radius is equal to :
 (1) 2
 (2) $\sqrt{5}$
 (3) $\sqrt{2}$
 (4) 1
80. Two parabolas with a common vertex and with axes along x -axis and y -axis, respectively, intersect each other in the first quadrant. If the length of the latus rectum of each parabola is 3, then the equation of the common tangent to the two parabolas is :
 (1) $4(x+y)+3=0$
 (2) $3(x+y)+4=0$
 (3) $8(2x+y)+3=0$
 (4) $x+2y+3=0$

78. एक त्रिभुज ABC में, A के निर्देशांक (1, 2) हैं तथा B तथा C से होकर जाने वाली माध्यिकाओं के समीकरण क्रमशः $x+y=5$ तथा $x=4$ हैं, तो ΔABC का क्षेत्रफल (वर्ग इकाइयों में) है :
 (1) 12
 (2) 4
 (3) 5
 (4) 9
79. एक वृत्त बिंदुओं (2, 3) तथा (4, 5) से होकर जाता है। यदि इसका केंद्र रेखा $y-4x+3=0$ पर स्थित है, तो इसकी त्रिज्या बराबर है :
 (1) 2
 (2) $\sqrt{5}$
 (3) $\sqrt{2}$
 (4) 1
80. दो परवलय जिनके शीर्ष उभयनिष्ठ हैं तथा जिनके अक्ष क्रमशः x -अक्ष तथा y -अक्ष के अनुदिश हैं, प्रथम चतुर्थांश में काटते हैं। यदि प्रत्येक परवलय के नाभिलंब की लंबाई 3 है, तो दोनों परवलयों की उभयनिष्ठ स्पर्शरेखा का समीकरण है :
 (1) $4(x+y)+3=0$
 (2) $3(x+y)+4=0$
 (3) $8(2x+y)+3=0$
 (4) $x+2y+3=0$

78. કોઈ ત્રિકોણ ABC માં, A નાં યામ (1, 2) છે તથા B અને C માંથી પસાર થતી મધ્યગાળોના સમીકરણો અનુકૂળે $x+y=5$ અને $x=4$ છે. તો ΔABC નું ક્ષેત્રફળ (ચો. એકમભાં) _____ છે.
 (1) 12
 (2) 4
 (3) 5
 (4) 9
79. કોઈ એક વર્તુળ બિંદુઓ (2, 3) અને (4, 5) માંથી પસાર થાય છે. તેનું કેન્દ્ર જો રેખા $y-4x+3=0$ પર આવેલું હોય, તો તેની ત્રિજ્યા _____ છે.
 (1) 2
 (2) $\sqrt{5}$
 (3) $\sqrt{2}$
 (4) 1
80. બે પરવલયોએ જેના શિરોબિંદુઓ સમાન છે અને અક્ષો અનુકૂળે x -અક્ષ અને y -અક્ષ પર આવેલ છે, એક-બીજાને પ્રથમ ચરણમાં છેદે છે. જો પ્રત્યેક પરવલયના નાભિલંબની લંબાઈ 3 હોય, તો આ બે પરવલયના સામાન્ય સ્પર્શકનું સમીકરણ _____ છે.
 (1) $4(x+y)+3=0$
 (2) $3(x+y)+4=0$
 (3) $8(2x+y)+3=0$
 (4) $x+2y+3=0$

81. If the tangents drawn to the hyperbola $4y^2 = x^2 + 1$ intersect the co-ordinate axes at the distinct points A and B, then the locus of the mid point of AB is :

- (1) $x^2 - 4y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (2) $x^2 - 4y^2 - 16x^2y^2 = 0$
- (3) $4x^2 - y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (4) $4x^2 - y^2 - 16x^2y^2 = 0$

82. If β is one of the angles between the normals to the ellipse, $x^2 + 3y^2 = 9$ at the points $(3 \cos\theta, \sqrt{3} \sin\theta)$ and $(-3 \sin\theta, \sqrt{3} \cos\theta)$; $\theta \in \left(0, \frac{\pi}{2}\right)$; then

$\frac{2 \cot \beta}{\sin 2\theta}$ is equal to :

- (1) $\frac{2}{\sqrt{3}}$
- (2) $\frac{1}{\sqrt{3}}$
- (3) $\sqrt{2}$
- (4) $\frac{\sqrt{3}}{4}$

81. यदि अतिपरवलय $4y^2 = x^2 + 1$ पर खींची गई स्परिखाएँ निर्देशांक अक्षों को भिन्न बिंदुओं A तथा B पर काटती हैं, तो AB के मध्यबिंदु का बिंदुपथ है :

- (1) $x^2 - 4y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (2) $x^2 - 4y^2 - 16x^2y^2 = 0$
- (3) $4x^2 - y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (4) $4x^2 - y^2 - 16x^2y^2 = 0$

82. दीर्घवृत्त $x^2 + 3y^2 = 9$ पर बिंदुओं $(3 \cos\theta, \sqrt{3} \sin\theta)$ तथा $(-3 \sin\theta, \sqrt{3} \cos\theta)$; $\theta \in \left(0, \frac{\pi}{2}\right)$; पर खींचे गए अभिलंबों के बीच का एक कोण β है, तो $\frac{2 \cot \beta}{\sin 2\theta}$ बराबर है :

- (1) $\frac{2}{\sqrt{3}}$
- (2) $\frac{1}{\sqrt{3}}$
- (3) $\sqrt{2}$
- (4) $\frac{\sqrt{3}}{4}$

81. જો અતિવલય $4y^2 = x^2 + 1$ ને દોરેલ સ્પર્શકો યામાંકોને ભિન્ન બિંદુઓ A અને B માં છે, તો AB ના મધ્યબિંદુનો બિંદુપથ _____ છે.

- (1) $x^2 - 4y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (2) $x^2 - 4y^2 - 16x^2y^2 = 0$
- (3) $4x^2 - y^2 + 16x^2y^2 = 0$
- (4) $4x^2 - y^2 - 16x^2y^2 = 0$

82. ઉપવલય $x^2 + 3y^2 = 9$ નાં બિંદુઓ $(3 \cos\theta, \sqrt{3} \sin\theta)$ અને $(-3 \sin\theta, \sqrt{3} \cos\theta)$; $\theta \in \left(0, \frac{\pi}{2}\right)$, આગળના અભિલંબો વચ્ચેનો કોઈએક ખૂણો જો β હોય, તો $\frac{2 \cot \beta}{\sin 2\theta} =$ _____.

- (1) $\frac{2}{\sqrt{3}}$
- (2) $\frac{1}{\sqrt{3}}$
- (3) $\sqrt{2}$
- (4) $\frac{\sqrt{3}}{4}$

83. A variable plane passes through a fixed point $(3, 2, 1)$ and meets x , y and z axes at A , B and C respectively. A plane is drawn parallel to yz -plane through A , a second plane is drawn parallel zx -plane through B and a third plane is drawn parallel to xy -plane through C . Then the locus of the point of intersection of these three planes, is :

- (1) $\frac{x}{3} + \frac{y}{2} + \frac{z}{1} = 1$
- (2) $x + y + z = 6$
- (3) $\frac{1}{x} + \frac{1}{y} + \frac{1}{z} = \frac{11}{6}$
- (4) $\frac{3}{x} + \frac{2}{y} + \frac{1}{z} = 1$

84. An angle between the plane, $x + y + z = 5$ and the line of intersection of the planes, $3x + 4y + z - 1 = 0$ and $5x + 8y + 2z + 14 = 0$, is :

- (1) $\sin^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (2) $\cos^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (3) $\cos^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$
- (4) $\sin^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$

83. एक चर समतल दिये गए बिंदु $(3, 2, 1)$ से होकर जाता है तथा x , y तथा z अक्षों को क्रमशः A , B तथा C पर काटता है। yz -समतल के समांतर, A से होकर जाता हुआ एक समतल खींचा गया, एक दूसरा समतल zx -के समांतर खींचा गया जो B से होकर जाता है तथा एक तीसरा समतल बिंदु C से xy -समतल के समांतर खींचा गया। तो इन तीनों समतलों के प्रतिच्छेदन बिंदु का बिंदुपथ है :

- (1) $\frac{x}{3} + \frac{y}{2} + \frac{z}{1} = 1$
- (2) $x + y + z = 6$
- (3) $\frac{1}{x} + \frac{1}{y} + \frac{1}{z} = \frac{11}{6}$
- (4) $\frac{3}{x} + \frac{2}{y} + \frac{1}{z} = 1$

84. समतल $x + y + z = 5$ तथा समतलों $3x + 4y + z - 1 = 0$ और $5x + 8y + 2z + 14 = 0$ की प्रतिच्छेदन रेखा के बीच का एक कोण है :

- (1) $\sin^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (2) $\cos^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (3) $\cos^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$
- (4) $\sin^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$

83. निश्चित बिंदु $(3, 2, 1)$ मांथी पसार थतुं एक चलित समतल x , y अने z अक्षों अनुकूले A , B अने C मां भणे छे. एक समतल के ले A मांथी पसार थतुं अने yz -समतलने समांतर होय तेवुं दोरवामां आवे छे, भीजु समतल के ले B मांथी पसार थतुं अने zx -समतलने समांतर होय तेवुं दोरवामां आवे छे, त्रीजु समतल के ले C मांथी पसार थतुं अने xy -समतलने समांतर होय तेवुं दोरवामां आवे छे. तो, आ त्राण समतलोना छेदबिंदुनो बिंदुपथ _____ छे.

- (1) $\frac{x}{3} + \frac{y}{2} + \frac{z}{1} = 1$
- (2) $x + y + z = 6$
- (3) $\frac{1}{x} + \frac{1}{y} + \frac{1}{z} = \frac{11}{6}$
- (4) $\frac{3}{x} + \frac{2}{y} + \frac{1}{z} = 1$

84. समतल $x + y + z = 5$ तथा समतलों $3x + 4y + z - 1 = 0$ अने $5x + 8y + 2z + 14 = 0$ नी छेदरेखा वर्चयेनो खूणो _____ छे.

- (1) $\sin^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (2) $\cos^{-1}\left(\sqrt{\frac{3}{17}}\right)$
- (3) $\cos^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$
- (4) $\sin^{-1}\left(\frac{3}{\sqrt{17}}\right)$

85. If \vec{a} , \vec{b} , and \vec{c} are unit vectors such that $\vec{a} + 2\vec{b} + 2\vec{c} = \vec{0}$, then $|\vec{a} \times \vec{c}|$ is equal to :
- $\frac{\sqrt{15}}{4}$
 - $\frac{1}{4}$
 - $\frac{15}{16}$
 - $\frac{\sqrt{15}}{16}$

86. The mean of a set of 30 observations is 75. If each observation is multiplied by a non-zero number λ and then each of them is decreased by 25, their mean remains the same. Then λ is equal to :
- $\frac{1}{3}$
 - $\frac{2}{3}$
 - $\frac{4}{3}$
 - $\frac{10}{3}$

85. यदि \vec{a} , \vec{b} तथा \vec{c} ऐसे मात्रक सदिश हैं, कि $\vec{a} + 2\vec{b} + 2\vec{c} = \vec{0}$ है, तो $|\vec{a} \times \vec{c}|$ बराबर है :
- $\frac{\sqrt{15}}{4}$
 - $\frac{1}{4}$
 - $\frac{15}{16}$
 - $\frac{\sqrt{15}}{16}$

86. 30 प्रेक्षणों के एक समूह का माध्य 75 है। यदि प्रत्येक प्रेक्षण को एक शून्येतर संख्या λ से गुणा किया गया तथा उसके पश्चात् प्रत्येक संख्या में से 25 घटाया गया, तो उनका माध्य वही रहा। तो λ का मान है :
- $\frac{1}{3}$
 - $\frac{2}{3}$
 - $\frac{4}{3}$
 - $\frac{10}{3}$

85. જો \vec{a} , \vec{b} અને \vec{c} એકમ સદિશો હોય કે જેથી $\vec{a} + 2\vec{b} + 2\vec{c} = \vec{0}$, તો $|\vec{a} \times \vec{c}| = _____$.
- $\frac{\sqrt{15}}{4}$
 - $\frac{1}{4}$
 - $\frac{15}{16}$
 - $\frac{\sqrt{15}}{16}$

86. 30 અવલોકનોનો મધ્યક 75 છે. જો પ્રત્યેક અવલોકનને શૂન્યેતર સંખ્યા λ થી ગુણવામાં આવે અને ત્યારબાદ પ્રત્યેકને 25 થી ઘટાડવામાં આવે, તો તેમનો મધ્યક તે જ રહે છે. તો $\lambda = _____$.
- $\frac{1}{3}$
 - $\frac{2}{3}$
 - $\frac{4}{3}$
 - $\frac{10}{3}$

87. A box 'A' contains 2 white, 3 red and 2 black balls. Another box 'B' contains 4 white, 2 red and 3 black balls. If two balls are drawn at random, without replacement, from a randomly selected box and one ball turns out to be white while the other ball turns out to be red, then the probability that both balls are drawn from box 'B' is :

- (1) $\frac{9}{16}$
- (2) $\frac{7}{16}$
- (3) $\frac{9}{32}$
- (4) $\frac{7}{8}$

88. If $\tan A$ and $\tan B$ are the roots of the quadratic equation, $3x^2 - 10x - 25 = 0$, then the value of $3 \sin^2(A + B) - 10 \sin(A + B) \cdot \cos(A + B) - 25 \cos^2(A + B)$ is :

- (1) -10
- (2) 10
- (3) -25
- (4) 25

87. एक बक्से 'A' में 2 सफेद, 3 लाल तथा 2 काली गेंदें हैं। एक अन्य बक्से 'B' में 4 सफेद, 2 लाल तथा 3 काली गेंदें हैं। यदि यादृच्छ्या चुने गए एक बक्से में से दो गेंदें यादृच्छ्या, प्रतिस्थापना रहित, चुनी गई, जिनमें से एक सफेद तथा दूसरी लाल पाई गयी। तो दोनों गेंदों के बक्से 'B' से चुने जाने की प्रायिकता है :

- (1) $\frac{9}{16}$
- (2) $\frac{7}{16}$
- (3) $\frac{9}{32}$
- (4) $\frac{7}{8}$

88. यदि $\tan A$ तथा $\tan B$, द्विघात समीकरण $3x^2 - 10x - 25 = 0$ के मूल हैं, तो $3 \sin^2(A + B) - 10 \sin(A + B) \cdot \cos(A + B) - 25 \cos^2(A + B)$ का मान है :

- (1) -10
- (2) 10
- (3) -25
- (4) 25

87. पेटी 'A' मां 2 सफेद, 3 लाल अने 2 काला दाढ़ा थे. बीज पेटी 'B' मां 4 सफेद, 2 लाल अने 3 काला दाढ़ा थे. यादृच्छिक रीते पसंद करेल कोई एक पेटीभांथी, पूरवाइ सिवाय यादृच्छिक रीते बे दाढ़ा पसंद करतां एक दाढ़ो सफेद अने बीजो लाल भणे तो आ बन्ने दाढ़ा पेटी 'B' भांथी पसंद थथा होय तेनी संभावना _____ थे.

- (1) $\frac{9}{16}$
- (2) $\frac{7}{16}$
- (3) $\frac{9}{32}$
- (4) $\frac{7}{8}$

88. द्विघात समीकरण $3x^2 - 10x - 25 = 0$ ना बीज $\tan A$ अने $\tan B$ होय, तो $3 \sin^2(A + B) - 10 \sin(A + B) \cdot \cos(A + B) - 25 \cos^2(A + B)$ नी किंमत _____ थे.

- (1) -10
- (2) 10
- (3) -25
- (4) 25

89. An aeroplane flying at a constant speed, parallel to the horizontal ground, $\sqrt{3}$ km above it, is observed at an elevation of 60° from a point on the ground. If, after five seconds, its elevation from the same point, is 30° , then the speed (in km/hr) of the aeroplane, is :

- (1) 1500
- (2) 1440
- (3) 750
- (4) 720

90. If $(p \wedge \sim q) \wedge (p \wedge r) \rightarrow \sim p \vee q$ is false, then the truth values of p, q and r are, respectively :

- (1) F, T, F
- (2) T, F, T
- (3) T, T, T
- (4) F, F, F

89. एक वायुयान क्षैतिज भूमि के समांतर, इससे $\sqrt{3}$ किलो मीटर की ऊँचाई पर एक अचर गति से उड़ रहा है, जो कि भूमि के एक बिंदु से 60° के उन्नयन कोण पर पाया गया। यदि 5 सेकण्डों के पश्चात् उसी बिंदु पर इसका उन्नयन कोण 30° है, तो वायुयान की गति (किमी/घंटा में) है :

- (1) 1500
- (2) 1440
- (3) 750
- (4) 720

90. यदि कथन $(p \wedge \sim q) \wedge (p \wedge r) \rightarrow \sim p \vee q$ असत्य है, तो p, q तथा r के सत्य मान क्रमशः हैं :

- (1) F, T, F
- (2) T, F, T
- (3) T, T, T
- (4) F, F, F

89. સમક્ષિતિજ જમીનને સમાંતરે અને તેનાથી $\sqrt{3}$ km ઉપર, અચળ ઝડપે ઉડી રહેતા એક વિમાનનો ઉત્સેધકોણ જમીનના એક બિંદુથી 60° જેટલો માલૂમ પડે છે. પાંચ સેકન્ડ પછી આ જ બિંદુથી તેનો ઉત્સેધકોણ 30° થાય, તો વિમાનની ઝડપ (km/hr માં) કેટલી થશે ?

- (1) 1500
- (2) 1440
- (3) 750
- (4) 720

90. જો $(p \wedge \sim q) \wedge (p \wedge r) \rightarrow \sim p \vee q$ અસત્ય હોય, તો p, q અને r ના સત્યાર્થતા મૂલ્યો અનુકૂળ હોય, તો

- (1) F, T, F
- (2) T, F, T
- (3) T, T, T
- (4) F, F, F